दैनिक
नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
खबरें सड़क से संसद तक
RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018

वर्ष: 17 | अंक 191 | सीकर, गुरुवार 10 सितम्बर 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

वार्ड 49 से कमल की जीत तय

वार्डवासियों ने बटन दबाकर दिया आशीर्वाद फैसला 14 को

कासं

झुंझुनू (नवयत्न)। नगर परिषद चुनाव में सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहा वार्ड नंबर 49 अब मतदान के बाद परिणाम के इंतजार में है। बुधवार शाम 6 बजे मतदान समाप्त होते ही प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में बंद हो गई, लेकिन वार्ड 49 का मुकाबला अभी भी शहर की राजनीतिक चर्चाओं के केंद्र में बना हुआ है। इस हॉट सीट पर एक ओर भाजपा के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरे विधायक राजेंद्र भाम्बू के दामाद मनु धनकड़ हैं, तो दूसरी ओर भाजपा से बगावत कर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरे डॉ कमल चंद सैनी। मतदान के बाद दोनों पक्ष अपने-अपने उम्मीदवार की जीत के दावे कर रहे हैं। वार्डवासियों और राजनीतिक जानकारों के बीच भी अलग-अलग आकलन सामने आ रहे हैं।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि वार्ड 49 में जीतेगा कमल कौन डॉ कमल चंद सैनी या भाजपा का चुनाव चिह्न कमल ? इसका फैसला अब 14 सितंबर को मतगणना के बाद ही होगा। यदि निर्दलीय प्रत्याशी डॉ कमल चंद सैनी जीत दर्ज करते हैं तो यह परिणाम विधायक राजेंद्र भाम्बू के लिए राजनीतिक रूप से कई सवाल खड़े कर सकता है। खासकर इसलिए कि भाजपा प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरे मनु धनकड़ विधायक के दामाद हैं। ऐसे में भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी के सामने भाजपा के ही बागी प्रत्याशी की जीत को पार्टी और विधायक के प्रभाव से जोड़कर देखा जाना स्वाभाविक होगा।

वहीं दूसरी स्थिति भी विधायक के लिए पूरी तरह आसान नहीं होगी। यदि मनु धनकड़ जीत जाते हैं, लेकिन नगर परिषद में भाजपा अपना बोर्ड बनाने में कामयाब नहीं होती, तो सवाल फिर भी खड़ा होगा कि विधायक के लिए प्राथमिकता क्या अधिक महत्वपूर्ण थी! अपने दामाद को चुनाव जिताना या झुंझुनू नगर परिषद में भाजपा का बोर्ड बनाना ?

राजनीतिक रूप से देखा जाए तो दोनों ही परिस्थितियां विधायक के लिए अलग-अलग तरह की परीक्षा लेकर आएंगी। एक तरफ दामाद की जीत व्यक्तिगत और राजनीतिक प्रभाव से जोड़कर देखी जाएगी, तो दूसरी तरफ भाजपा का बोर्ड बनना विधायक के नेतृत्व और संगठनात्मक पकड़ की बड़ी कसौटी माना जाएगा।

वार्ड 49 की चर्चा पूरे शहर में बनी रही

नगर परिषद झुंझुनू के 60 वार्डों में हुए चुनाव में कुल 74.70 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान के दौरान और उसके बाद भी वार्ड 49 को लेकर लोगों में खासा उत्साह नजर आया। शहर में राजनीतिक चर्चाओं के दौरान लोग अपने वार्ड के परिणाम से ज्यादा वार्ड 49 के रुझान और संभावित नतीजे जानने में दिलचस्पी लेते दिखाई दिए। इस सीट की खासियत यह रही कि मुकाबला केवल दो प्रत्याशियों के बीच नहीं, बल्कि राजनीतिक रूप से भी बेहद दिलचस्प रहा। एक तरफ मौजूदा विधायक के दामाद और भाजपा प्रत्याशी मनु धनकड़ हैं, तो दूसरी तरफ भाजपा के ही बागी प्रत्याशी डॉ कमल चंद सैनी। यही वजह रही कि मतदान के बाद भी वार्ड 49 को लेकर शहर में तरह-तरह के कयास लगाए जाते रहे।

हालांकि जीत-हार का अंतिम फैसला मतदाताओं ने ईवीएम में दर्ज कर दिया है। अब 14 सितंबर को मतगणना के दौरान ही साफ होगा कि वार्डवासियों ने व्यक्ति को चुना या पार्टी के चुनाव चिन्ह को। साथ ही यह नतीजा यह भी संकेत देगा कि वार्ड 49 की लड़ाई महज एक पार्षद की जीत-हार थी या इसके पीछे झुंझुनू की स्थानीय राजनीति में किसी बड़े सियासी समीकरण का संकेत छिपा है।

राजस्थान निकाय चुनाव के प्रथम चरण में 72% मतदान

जयपुर.

राजस्थान नगरीय निकाय चुनाव के पहले चरण में 39 जिलों के 162 नगरीय निकायों के 5,393 वार्डों में कुल 72.09 फीसदी मतदान हुआ। प्रतापगढ़ के अरनोद में सबसे ज्यादा 91.98 फीसदी और चित्तौड़गढ़ नगर परिषद में सबसे कम 61.49 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। आंकड़ों से छोटे कस्बों में बड़े शहरों की तुलना में ज्यादा मतदान का ट्रेंड सामने आया है। राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव के पहले चरण का मतदान बुधवार को पूरा हो गया। 39 जिलों के 162 नगरीय निकायों के 5,393 वार्डों में हुए मतदान में कुल 72.09 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई। कुल 57,52,280 मतदाताओं में से 41,46,667 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। पहले चरण में पार्षद के 5,393 पदों के लिए 20,623 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक हुआ।

72 फीसदी से ज्यादा रहा कुल मतदान

राज्य में कुल मतदान प्रतिशत 72.09 फीसदी रहा। यानी हर 100 मतदाताओं में करीब 72 ने वोट डाला। कुल 57.52 लाख मतदाताओं में से 41.46 लाख से ज्यादा लोगों ने मतदान किया। यह आंकड़ा बताता है कि शहरी निकाय चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी काफी मजबूत रही।

सबसे ज्यादा मतदान प्रतापगढ़ के अरनोद में

पहले चरण में सबसे ज्यादा मतदान प्रतापगढ़ जिले की अरनोद नगर पालिका में हुआ। यहां 91.98 फीसदी मतदाताओं ने वोट डाला। यानी अरनोद में मतदान राज्य के औसत से करीब 20 प्रतिशत अंक ज्यादा रहा। इसके बाद भी कई छोटी नगरपालिकाओं में मतदान 90 फीसदी के आसपास या उससे ऊपर रहा। भीलवाड़ा की बिगोद नगरपालिका में 91.49 फीसदी, धौलपुर की सैंपऊ नगरपालिका में 90.77 फीसदी और डीग की पहाड़ी नगरपालिका में 90.32 फीसदी मतदान दर्ज हुआ।

सबसे कम मतदान चित्तौड़गढ़ में

सबसे कम मतदान चित्तौड़गढ़ नगर परिषद में हुआ। यहां सिर्फ 61.49 फीसदी मतदाताओं ने वोट डाला। इसके बाद भीलवाड़ा नगर निगम में 62.71 फीसदी, अलवर नगर निगम में 64.60 फीसदी और डूंगरपुर नगर परिषद में 65 फीसदी मतदान हुआ।

चुनावी तस्वीर अब ईवीएम में बंद

पहले चरण में 20,623 प्रत्याशियों का चुनावी भविष्य श्वङ्करूमें बंद हो गया है। अब दूसरे चरण में 11 सितंबर को मतदान होगा। दोनों चरणों के वोटों की गिनती 14 सितंबर को की जाएगी।पहले चरण के आंकड़ों से फिलहाल इतना साफ है कि शहरी राजस्थान में मतदान को लेकर कस्बाई इलाकों में ज्यादा उत्साह रहा, जबकि बड़े शहरों में मतदाता अपेक्षाकृत कम संख्या में मतदान केंद्रों तक पहुंचे। अब 14 सितंबर को नतीजों के साथ यह भी साफ होगा कि ज्यादा मतदान वाले इलाकों का चुनावी परिणाम किस पार्टी के पक्ष में जाता है।

बड़े शहरों के मुकाबले छोटे कस्बों में ज्यादा मतदान

पहले चरण के आंकड़ों में एक स्पष्ट ट्रेंड दिखाई देता है। छोटी नगरपालिकाओं में मतदान प्रतिशत काफी ऊंचा रहा, जबकि बड़े नगर निगमों और बड़े शहरों में वोटिंग अपेक्षाकृत कम रही। उदाहरण के तौर पर अरनोद, बिगोद, सैंपऊ और पहाड़ी जैसी छोटी नगरपालिकाओं में मतदान 90 फीसदी से ऊपर रहा। वहीं, पहले चरण में शामिल बड़े नगर निगमों में अलवर में 64.60 फीसदी, भीलवाड़ा में 62.71 फीसदी और बीकानेर में 68.20 फीसदी मतदान हुआ। भरतपुर नगर निगम में मतदान 73.13 फीसदी रहा। जयपुर जिले की 18 नगर निकायों में भी मतदान का पैटर्न इसी ट्रेंड को दिखाता है। यहां औसत मतदान करीब 72.66 फीसदी रहा। कानोता में 81.37 फीसदी और बस्सी में 79.05 फीसदी तक मतदान हुआ, जबकि सांभर में 62.92 फीसदी और फुलेरा में 65.76 फीसदी मतदान दर्ज किया गया।

मतदान दलों के कार्मिकों का 10 व 12 सितंबर को अवकाश स्वीकृत

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। नगर निकाय आम चुनाव-2026 के तहत मतदान कार्य संपन्न होने के पश्चात मतदान सामग्री जमा कराने के लिए मतदान कार्मिकों को निर्धारित तिथियों पर अवकाश स्वीकृत किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर झुंझुनूं डॉ अरुण गर्ग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, मतदान समाप्ति के बाद मतदान सामग्री को संग्राहक स्थल पर जमा कराने के लिए वापसी देर रात तक होने की संभावना को देखते हुए मतदान कार्मिकों को विश्राम देने का निर्णय लिया गया है। आदेशानुसार प्रथम चरण में नियुक्त मतदान कार्मिकों को 10 सितंबर 2026 तथा द्वितीय चरण में नियुक्त मतदान कार्मिकों को 12 सितंबर 2026 को अवकाश देय माना जाएगा। उक्त दिवस को उन्हें अपने संबंधित विभाग में उपस्थिति दर्ज कराने की आवश्यकता नहीं होगी।

एनआईए बोली- लाल किला ब्लास्ट का मास्टरमाइंड उमर नबी था

नई दिल्ली।

दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट का मास्टरमाइंड आतंकी उमर उन नबी था। एनआईए ने बुधवार को चार्जशीट में ये जानकारी दी। धमाके वाली कार को नबी खुद चला रहा था। ब्लास्ट में उसकी मौत हो गई थी। एजेंसी के अनुसार, नबी उर्फ पिंडा और राहुल भट 2022 की शुरुआत से निष्क्रिय हो चुके अंसार गजवत-उल-हिंद मॉड्यूल को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहा था। इस मॉड्यूल को अल-कायदा इन द इंडियन सब-कॉन्टिनेंट से जुड़े नए रूप के तौर पर बताया गया है।

10 नवंबर 2025 को लाल किले के पास शाम करीब 6:50 बजे हुए कार ब्लास्ट में 11 लोगों की मौत और 29 लोग घायल हुए थे।

एनआईए ने कहा कट्टरपंथी साहित्य भी मिला

एजेंसी ने कहा है कि नबी और मॉड्यूल के दूसरे सदस्यों के पास ऐसा कट्टरपंथी साहित्य था और वे उसे आपस में साझा करते थे, जिसमें हथियारबंद संघर्ष और हिंसा की वकालत की गई थी। जांच में डेफिनिशन ऑफ जिहाद, द रिक्वायरमेंट्स ऑफ जिहाद, द 21 एम्स एंड ऑब्जेक्टिव्स ऑफ जिहाद, 39 वेज टू सर्व एंड पार्टिसिपेट इन जिहाद और 44 वेज टू सपोर्ट जिहाद नाम के दस्तावेजों की जांच की गई।

एनआईए ने आरोप लगाया है कि नबी ने मॉड्यूल के सदस्यों और साजिश से जुड़ी बताई गई सामग्री के लिए फंड जुटाने, अवैध हथियार हासिल करने और ठिकाने उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाई। एजेंसी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली-एनसीआर में बैठकें की गईं। इन बैठकों में सदस्यों को ट्रेनिंग दी गई और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारियां की गईं।

सरकार बोली- मैरिटल रेप को अपराध बनाना संसद का काम

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- क्या मौजूदा कानून के तहत केस चल सकता है?

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। केंद्र सरकार ने कोर्ट में कहा कि मैरिटल रेप को अलग अपराध बनाना संसद और कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र का विषय है, सुप्रीम कोर्ट का नहीं। सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना बेंच ने कहा कि शादी का मतलब महिला की आजादी का खत्म होना नहीं है, लेकिन मौजूदा कानून के तहत क्या पति पर मैरिटल रेप में केस चल सकता है? मामले की अंतिम सुनवाई 3 हफ्ते बाद होगी। दरअसल, पूरा मामला पत्नी की इच्छा के खिलाफ पति के संबंध बनाने को रेप मानने को लेकर है। मौजूदा कानून के अनुसार, अगर पत्नी की उम्र 18 साल या उससे ज्यादा है, तो उसकी इच्छा के खिलाफ संबंध रेप नहीं माना जाएगा। इसे मैरिटल रेप की कानूनी छूट कहा जाता है।

याचिकाकर्ता बोले- पति को कानून से बचने का अधिकार नहीं होना चाहिए

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि शादी किसी पति को पत्नी की इच्छा के खिलाफ जबरदस्ती करने की छूट नहीं देती। उनका कहना है कि अगर पति, पत्नी को गंभीर चोट पहुंचाता है, तो केवल पति-पत्नी का रिश्ता होने के कारण उसे कानून से बचने का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। याचिकाकर्ताओं की मांग है कि शादीशुदा महिलाओं को भी जबरदस्ती संबंध के खिलाफ वही कानूनी सुरक्षा मिले, जो दूसरी महिलाओं को मिलती है।

सरकार मैरिटल रेप को अलग से अपराध बनाने के पक्ष में नहीं

केंद्र सरकार मैरिटल रेप को अलग से अपराध बनाने के पक्ष में नहीं है। सरकार का कहना है कि ऐसा कानून बनाने से शादी और पति-पत्नी के रिश्ते पर बड़ा असर पड़ सकता है। सरकार का मानना है कि शादी के अंदर होने वाले यौन संबंधों से जुड़े मामलों को मौजूदा कानूनों के तहत ही देखा जाना चाहिए। सरकार ने यह भी कहा है कि इस मुद्दे पर सामाजिक और कानूनी दोनों पहलुओं को ध्यान में रखना जरूरी है।

कोर्ट मुख्य रूप से इन दो सवालों पर फैसला करेगा-

1. अगर मैरिटल रेप की मौजूदा छूट कानून में बनी रहती है, तो क्या पति पर बलात्कार का केस चल सकता है? क्या बीएनएस में दी गई मैरिटल रेप की छूट संविधान के मुताबिक सही है?
2. कोर्ट यह भी देखेगा कि जिस काम को कानून ने रेप नहीं माना है, क्या अदालत अपने फैसले से उसे अपराध बना सकती है या इसके लिए संसद को कानून बदलना होगा।

दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

यह मामला पहले 2022 में दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचा था। हाईकोर्ट के दो जजों ने इस पर अलग-अलग राय दी थी। जस्टिस राजीव शकधर ने मैरिटल रेप की छूट को असंवैधानिक माना था।

वहीं, जस्टिस सी. हरिशंकर ने इस छूट को सही माना था और कहा था कि पति-पत्नी के रिश्ते को कानून में अलग तरीके से देखने का आधार है। दोनों जजों की अलग-अलग राय के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया।

राहुल गांधी ने मोबाइल पर मंत्री को टूटी सड़कें दिखाई

रायबरेली में अफसरों से पूछा- सरकार पैसे दे रही तो काम क्यों नहीं हो रहा?

रायबरेली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रायबरेली में बुधवार को बैठक में कैबिनेट मंत्री मनोज पांडेय को अपने मोबाइल पर टूटी सड़कें दिखाईं। राहुल ने डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोऑर्डिनेटिंग कमेटी (दिशा) की मीटिंग में जर्जर सड़कों और गड्ढों की तस्वीरें दिखाकर पीडब्ल्यूडी अधिकारियों और डीएम से पूछा कि सड़कों की हालत ऐसी क्यों है राहुल ने कहा कि जब सरकार फंड दे रही है तो काम क्यों नहीं हो रहा है आप लोग क्या कर रहे हैं? इस मीटिंग में ऊंचाहार से बीजेपी विधायक मनोज पांडेय, एमएलसी और राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह भी मौजूद थे। कलेक्ट्रेट में करीब ढाई घंटे बैठक से पहले राहुल ने सुबह जनता दरबार लगाया, जहां महिला कांग्रेस नेता ने उन्हें राखी बांधी। राहुल ने यहां सपा नेताओं ने भी मुलाकात की। कार्यक्रमों के बाद राहुल लखनऊ रवाना हो गए, जहां से वे दिल्ली जाएंगे। 2024 में सांसद बनने के बाद राहुल का यह 8वां रायबरेली दौरा था। इससे पहले वे 19-20 मई को दो दिवसीय दौरे पर आए थे।

राहुल मंगलवार दोपहर दिल्ली से एयर इंडिया की फ्लाइट से लखनऊ पहुंचे थे। पहली बार में विमान लैंड नहीं कर पाया था। 25 मिनट हवा में चक्कर लगाने के बाद दूसरे प्रयास में विमान ने लैंडिंग की थी।

भारत-श्रीलंका के बंदरगाह बन सकते हैं साझा आर्थिक विकास के इंजन : राजनाथ

नई दिल्ली. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री सहयोग को दोनों देशों की आर्थिक प्रगति और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए अहम बताते हुए कहा है कि हिंद महासागर में शांति, सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए दोनों देश सबसे करीबी साझेदार के रूप में काम करने की बेहतर स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि भारत और श्रीलंका के बंदरगाह साझा आर्थिक विकास के इंजन बन सकते हैं, जबकि समुद्री उद्योग दोनों देशों के साथ-साथ पूरे हिंद महासागर क्षेत्र की भविष्य की समृद्धि का वाहक बन सकता है।

श्रीलंका की आधिकारिक यात्रा पर हैं राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह इन दिनों श्रीलंका की आधिकारिक यात्रा पर हैं। कोलंबो में 'हिंद महासागर क्षेत्र में भारत-श्रीलंका समुद्री सुरक्षा व सहयोग' से जुड़े कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और आपसी समृद्धि को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर गहरे रणनीतिक और आर्थिक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में भारत और श्रीलंका को अपने प्रयासों में तालमेल बढ़ाने और उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी सामूहिक क्षमताओं का इस्तेमाल करने की जरूरत है।

मछुआरों के विवाद का समाधान जरूरी

रक्षा मंत्री ने भारत और श्रीलंका के मछुआरों से जुड़े विवाद का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के मछुआरों के सामने आने वाली चुनौतियों से वह अवगत हैं और इनका समाधान पारस्परिक रूप से लाभकारी तरीके से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मछली पकड़ने से जुड़े विवादों को संबंधित कानूनों और भौगोलिक अधिकार क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए सुलझाने के लिए दोनों देशों को मिलकर काम करना होगा।

आजीविका का विषय है मछुआरों का मुद्दा

राजनाथ सिंह ने कहा कि मछली पकड़ने से जुड़े विवादों को रोकने के लिए दोनों देशों को अपनी व्यवस्थाओं को और मजबूत करना चाहिए। इन विवादों से पूरी सावधानी और संवेदनशीलता के साथ निपटने की जरूरत है, क्योंकि यह लोगों की आजीविका से जुड़ा विषय है। साथ ही समुद्री कानूनों का प्रभावी पालन भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पोस्टर का विमोचन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। आमजन में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा तनाव, चिंता, अवसाद और आत्महत्या जैसी गंभीर समस्याओं की समय पर पहचान व रोकथाम के उद्देश्य से जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम डीएमएचपी जयपुर की ओर से 10 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक मानसिक स्वास्थ्य माह मनाया जाएगा। अभियान के तहत आयोजित होने वाली गतिविधियों को लेकर बुधवार को सीएमएचओ कार्यालय में जागरूकता पोस्टर का विमोचन किया गया। इस दौरान सीएमएचओ जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत, सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल, डिप्टी सीएमएचओ हैल्थ डॉ. सुरेन्द्र गोयल, जिला नोडल अधिकारी मानसिक स्वास्थ्य डॉ. गजानंद वर्मा और मनोरोग देखभाल नर्स संजय मित्तल मौजूद रहे। सीएमएचओ डॉ. रवि शेखावत और डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि अभियान के दौरान विभिन्न विभागों व संस्थानों के सहयोग से मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सत्र, स्कूल-कॉलेज कार्यक्रम, पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिताएं, रैली, दौड़, कार्यशाला, नाटक, कविता, ओपन माइक, प्रश्नोत्तरी और सामाजिक माध्यमों पर जागरूकता अभियान आयोजित किए जाएंगे। अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने के लिए आभार वृक्ष और क्षमा पात्र जैसी रचनात्मक गतिविधियां भी होंगी। इनके माध्यम से सकारात्मक सोच, भावनात्मक अभिव्यक्ति, आपसी सहयोग और रिश्तों में संवाद बढ़ाने का संदेश दिया जाएगा। अभियान के दौरान लोगों को मानसिक परेशानी के शुरुआती संकेत पहचानने, जरूरतमंद व्यक्ति की बात ध्यान से सुनने, उसे अकेला न छोड़ने और आवश्यकता पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा। आत्महत्या रोकथाम तथा उपलब्ध मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी भी आमजन तक पहुंचाई जाएगी।

परिचय ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को दिखाई नई दिशा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। इंटरनेशनल स्कूल ऑफ इन्फॉर्मेटिक्स एंड मैनेजमेंट में एमबीए एवं एमसीए के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 19 अगस्त से आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम परिचय का समापन हुआ। तीन सप्ताह चले कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्थान के शैक्षणिक वातावरण से परिचित कराने के साथ उच्च शिक्षा, व्यावसायिक जीवन और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना रहा। कार्यक्रम में तकनीकी ज्ञान, नेतृत्व, संवाद कौशल, व्यक्तित्व विकास, करियर निर्माण, मानसिक स्वास्थ्य और वित्तीय समझ जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए। विद्यार्थियों को औद्योगिक भ्रमण, विभागीय परिचय, राष्ट्रीय सेवा योजना और छात्र क्लबों से भी जोड़ा गया। ई-इग्नाइटर्स के तहत उद्यमिता पर विशेष सत्र में विद्यार्थियों को नए विचारों को अवसर में बदलने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं सीओपीई के तहत मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और विभिन्न गतिविधियां आयोजित हुईं। नेत्रदान जागरूकता, कॉरपोरेट संवाद सहित अन्य गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों और व्यावहारिक जीवन से जोड़ा गया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं को पहचानने और भविष्य के अवसरों के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर दिया।

निकायों में भाजपा की सरकार बनी तो विकास को मिलेगी नई रफ्तार : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। निकाय चुनाव के दूसरे चरण के प्रचार के अंतिम दिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में रोड शो कर भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। सांगानेरी गेट स्थित हनुमान मंदिर से शुरू हुआ रोड शो त्रिपोलिया गेट तक पहुंचा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए भाजपा सरकार के ढाई साल के कामकाज गिनाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश में विकास की रफ्तार तेज की है। उन्होंने दावा किया कि पिछली सरकार के पांच साल में करीब 3,900 मेगावाट बिजली उत्पादन बढ़ा, जबकि भाजपा सरकार ने ढाई साल में 12 हजार मेगावाट बिजली उत्पादन किया है। राजस्थान अब बिजली लेने वाला नहीं, बल्कि बिजली देने वाला राज्य बन रहा है। पानी के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने यमुना जल समझौते सहित विभिन्न बड़ी जल परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि खेतों और शहरों तक पानी पहुंचाने को सरकार ने प्राथमिकता दी है। कानून-व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि सरकार ने लव जिहाद और धर्मांतरण की समस्या के निवारण के लिए कदम उठाए हैं। परेशान करने वालों के खिलाफकार्रवाई होगी और लोगों को डरने की जरूरत नहीं है।

मेट्रो और विकास योजनाओं पर कांग्रेस को घेरा

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय विकास योजनाओं को लटकाने-अटकाने का काम हुआ, जबकि भाजपा सरकार योजनाओं को धरातल पर उतार रही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के पांच साल में करीब पांच किलोमीटर मेट्रो लाइन का काम हुआ, जबकि वर्तमान सरकार में करीब 45 किलोमीटर मेट्रो लाइन का शिलान्यास किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा, श्देश में मोदी है, तो मुमकिन है। मुख्यमंत्री ने निकाय चुनाव में जातिगत समीकरणों से ऊपर उठकर विकास के नाम पर मतदान करने की अपील की।

ट्रिपल इंजन सरकार बनाने का आह्वान

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य में भाजपा की डबल इंजन सरकार है, और अब निकायों में भाजपा का बोर्ड बनाकर ट्रिपल इंजन सरकार बनानी है। निकाय और पंचायत मजबूत होंगे तो विकास की रफ्तार और तेज होगी। उन्होंने मतदाताओं से घर से निकलकर मतदान करने तथा विकसित राजस्थान, विकसित भारत और विकसित जयपुर के लिए भाजपा को समर्थन देने का आह्वान किया। रोड शो में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, राष्ट्रीय महामंत्री एवं निकाय चुनाव प्रभारी हरीश द्विवेदी, सांसद मंजू शर्मा, विधायक बालमुकुंद आचार्य, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी सहित पार्टी के विधायक और पदाधिकारी मौजूद रहे। मदन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान का विकास करना है, तो ट्रिपल इंजन सरकार जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि सभी नगर निकायों में भाजपा अपना बोर्ड बनाने जा रही है।

रोजगार और भर्ती का भी किया जिक्र

भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरकार अब तक एक लाख 85 हजार नियुक्ति पत्र दे चुकी है। एक लाख 22 हजार भर्तियों की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जबकि करीब 70 हजार पदों की वैकेंसी निकाली गई है। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा सरकार में भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है, और कांग्रेस सरकार के समय की अनियमितताओं पर भी निशाना साधा।

राजस्थान स्कूल में किया प्रतिभाओं का सम्मान

निसं

चिड़ावा (नवयत्न)। राजस्थान पब्लिक सीसै स्कूल में शिक्षाविद् संस्था निदेशक श्रीराम थालौर के सानिध्य में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अगस्त माह में विभिन्न प्रकार की खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था, और प्री बोर्ड परीक्षा का आयोजन हुआ था। इसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को संस्था चेयरपर्सन नीतिका थालौर व सचिव संजय थालौर ने मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। खेलकूद प्रतियोगिताओं में जूनियर वर्ग में 100 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर अमित पुत्र राजेश गुर्जर कक्षा 6, द्वितीय स्थान पर ईशांत पुत्र रणवीर कक्षा 7, तृतीय स्थान पर अंकित कक्षा 7, जूनियर वर्ग में 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर दक्ष पुत्र ललित कक्षा 6, द्वितीय स्थान पर अंकित मीणा कक्षा 7, तृतीय स्थान पर देवेंद्र गुर्जर कक्षा 8, सीनियर वर्ग में 100 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर विनय पुत्र केशर कक्षा 10, द्वितीय स्थान पर शिवा पुत्र गोविन्द कक्षा 10 रहे। 200 मीटर दौड़ में सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान पर अक्षत पुत्र कांतिलाल कक्षा 12, द्वितीय स्थान पर शेखर पुत्र मोहर कक्षा 11 रहे। क्रिकेट प्रतियोगिता में धीरज मेंणात की टीम प्रथम रही। राखी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर तमन्ना, द्वितीय स्थान पर माही, तृतीय स्थान पर तनुष्का व अवनी रही। प्री बोर्ड परीक्षा में कक्षा 12 साइंस वर्ग में अंग्रेजी माध्यम में प्रथम स्थान पर पुनीता पुत्री किशोर, द्वितीय स्थान पर एकता पुत्री विजयपाल, तृतीय स्थान पर अरमान पुत्र अजय कुमार व हिंदी माध्यम में प्रथम स्थान पर दीपिका पुत्री सुरेंद्र द्वितीय स्थान पर रिंकू पुत्री ओमप्रकाश, तृतीय स्थान पर अंशु पुत्री बहादुर सिंह व कला वर्ग में प्रथम स्थान पर वैशाली पुत्री राजेश द्वितीय स्थान पर प्रेरणा पुत्री कन्हैयालाल तृतीय स्थान पर मोनिका पुत्री सतपाल रही। कक्षा 11 साइंस वर्ग अंग्रेजी माध्यम में प्रथम स्थान पर हर्षिता पुत्री विद्याधर द्वितीय स्थान पर दक्ष पुत्र राजेंद्र तृतीय स्थान पर खेरुन खान पुत्री इरफान अली हिंदी माध्यम में प्रथम स्थान मानसी पुत्री राकेश कुमार, द्वितीय स्थान पर धर्मेन्द्र पुत्र भरत सिंह, तृतीय स्थान पर रौनक पुत्र घीसाराम कला वर्ग में प्रथम स्थान पर हरिओम पुत्र खुशीराम, द्वितीय स्थान पर सपना पुत्री अनिल, तृतीय स्थान पर चान्सी पुत्री ओमप्रकाश रही। कक्षा 10 अंग्रेजी माध्यम प्रथम स्थान पर योगिता नित्यानंद, द्वितीय स्थान पर मयंक पुत्र विद्याधर, तृतीय स्थान पर तनु पुत्री विनोद व हिंदी माध्यम में प्रथम स्थान पर दीपिका पुत्री लीलाधर, द्वितीय स्थान पर सुनील पुत्र हरिप्रसाद, तृतीय स्थान पर अंकुश पुत्र दीवान सिंह रहे। कक्षा 9 अंग्रेजी माध्यम प्रथम स्थान पर ईशा पुत्री विजय सिंह, द्वितीय स्थान पर साक्षी पुत्री सुरेन्द्र सिंह, तृतीय स्थान पर गरिमा पुत्री राजेंद्र कुमार व हिंदी माध्यम में प्रथम स्थान पर गगन पुत्र सुरेन्द्र द्वितीय स्थान पर भीमराज तृतीय स्थान पर हेमंत पुत्र हजारीलाल रहे। कक्षा 8 अंग्रेजी माध्यम प्रथम स्थान पर अरुण कुमार, द्वितीय स्थान पर अंजलि गुर्जर, आयुष हिंदी माध्यम में प्रथम स्थान पर दीपिका, लोकेश, रौनक गुर्जर द्वितीय स्थान पर कल्पना निनामा, अन्नत, तृतीय स्थान पर आयुष, प्रिया, धोनी सिंह रहे। कक्षा 7 अंग्रेजी माध्यम प्रथम स्थान पर विशाल, सुमन, हिमेश, द्वितीय स्थान पर रविराज गुर्जर, खुशी, धनराज, तृतीय स्थान पर तमन्ना, खुशबू, कृष्ण रहे। कक्षा 6 प्रथम स्थान पर ज्योति, अनीश, अनमोल, द्वितीय स्थान पर अभिषेक, विजय, ऋषिका, तृतीय स्थान पर रिशा, आदेश, नेहा रही। कक्षा 5 प्रथम स्थान पर इशान द्वितीय स्थान पर रायसिंह रहा। कक्षा 4 प्रथम स्थान पर देव्यांश द्वितीय स्थान पर चेतन, तृतीय स्थान पर दिव्या रही। कक्षा 3 प्रथम स्थान पर माही, द्वितीय स्थान पर विहान रहा। कक्षा 2 प्रथम स्थान माहिर खान, द्वितीय स्थान पर जियांश रहा। कक्षा 1 में प्रथम स्थान पर भव्या, द्वितीय स्थान पर हसीन रही। इस अवसर पर संस्था चेयरपर्सन नीतिका थालौर ने छात्र छात्राओं को कठिन परिश्रम और भविष्य में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्था प्रधान गोपीचंद जांगिड़ डॉ सुभाष चंद्र बोलाए डॉ दिनेश गौतम, डॉ विजेंद्र पूनिया, ओमप्रकाश दनेवा, कुरड़ाराम, दीपा, संगीता शर्मा, अंजना सोमरा, प्रदीप सैनी, पंकज गजराज, अशोक जाजम, विनोद सैन, ख्यालीराम सैनी, राजकुमार, राजेंद्र मीणा, इरफान खान एवं स्टाफ उपस्थित रहा।

मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सजे हजारों मोदक

निसं

जयपुर (नवयत्न)। गणेश जन्मोत्सव के अवसर पर मोती डूंगरी गणेश मंदिर में बुधवार को मोदकों की भव्य झांकी सजाई गई। इसमें 251-251 किलो के दो विशाल मोदक, 51-51 किलो के पांच और 21-21 किलो के 21 मोदक शामिल रहे। इसके अलावा 1.25 किलो वजन के 1100 मोदक और हजारों छोटे मोदक भी झांकी में सजाए गए। मंदिर के महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि मोदक तैयार करने में करीब 3000 किलो घी, 3000 किलो बेसन, 9000 किलो शक्कर और 1000 किलो सूखे मेवों का उपयोग किया गया। भक्तों के लिए सुबह 5 बजे से मोदक झांकी के दर्शन शुरू हुए, जो देर रात तक जारी रहे। इस दिन मंदिर में बाहर से लाया गया प्रसाद न तो चढ़ाया गया और न ही स्वीकार किया गया। भगवान गणेश को 21, 108 और 1008 मोदक अर्पित किए गए। वहीं शाम 6 बजे सुगम संगीत और कथक की प्रस्तुति हुई, जबकि शाम 7 बजे श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क प्रसाद वितरण किया गया। महंत शर्मा ने बताया कि मंदिर में 10 सितंबर को फलों, 11 सितंबर को सब्जियों और 12 सितंबर को फूलों की विशेष झांकी सजाई जाएगी। इन झांकियों में प्रकृति और भक्ति का संगम देखने को मिलेगा। तीनों दिन शाम 6 बजे कथक की प्रस्तुति होगी। इसके अलावा ध्रुपद, सुगम संगीत और कथक के कलाकार अपनी कला भगवान गणेश को समर्पित करेंगे। गौरतलब है कि 13 सितंबर को मेहंदी पूजन और सिंजारा होगा। 14 सितंबर को गणेश जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस दिन सुबह 5 बजे मंगला आरती से रात 11:40 बजे शयन आरती तक श्रद्धालुओं को दर्शन होंगे। विशेष पूजन सुबह 11:20 बजे, श्रृंगार आरती 11:30 बजे, भोग आरती दोपहर 2:15 बजे और संध्या आरती शाम 7 बजे होगी। भोग के दौरान दोपहर 1:30 से 2 बजे तक मंदिर के पट मंगल रहेंगे। 15 सितंबर को गणेश जी का नगर भ्रमण होगा।

फिजियो उत्सव में रक्तदान शिविर और मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। महर्षि अरविंद विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग की ओर से विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के उपलक्ष्य में फिजियो उत्सव-2026 आयोजित किया गया। उत्सव में रक्तदान शिविर, मॉडल प्रतियोगिता, जागरूकता अभियान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साह से भाग लेकर प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत चेयरपर्सन डॉ. भारत पाराशर ने दीप प्रज्वलित कर की। मुख्य अतिथि फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. पंकज चौधरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में फिजियोथेरेपी की मांग तेजी से बढ़ रही है। विभागाध्यक्ष डॉ. साएमा ने कहा कि फिजियोथेरेपी केवल उपचार का माध्यम नहीं, बल्कि लोगों को स्वस्थ और आत्मनिर्भर जीवन देने वाली सेवा है। इस दौरान फिजियोथेरेपी के महत्व और स्वास्थ्य सेवाओं में इसकी बढ़ती भूमिका पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट प्रो. डॉ. एससी जैन, रजिस्ट्रार गजेंद्र सिंह यादव, मैनेजमेंट नॉमिनी सतीश व्यास और डॉ. मयंक शर्मा सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

आबू में मिला ब्रिटिश काल में रोपा गया करीब 150 साल पुराना पेड़

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान की प्राकृतिक और वन विरासत को लेकर एक महत्वपूर्ण खोज सामने आई है। माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य में ब्रिटिश काल में लगाया गया करीब 150 वर्ष पुराना सफेदा यूकेलिप्टस वृक्ष देश का दूसरा सबसे मोटा सफेदा वृक्ष पाया गया है। इसकी खोज और रिकॉर्ड संबंधी पड़ताल उदयपुर के वन विशेषज्ञ एवं पूर्व वन अधिकारी डॉ. सतीश कुमार शर्मा ने की है। माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य के उप वन संरक्षक अनिल गुप्ता की सूचना के बाद डॉ. शर्मा ने मौके पर पहुंचकर वृक्ष का अध्ययन किया और इसके माप-आंकड़ों का राष्ट्रीय रिकॉर्ड से मिलान किया। डॉ. शर्मा के शोध के अनुसार आबू पर्वत का यह विशाल सफेदा वृक्ष लगभग 150 वर्ष पुराना, करीब 20 मीटर ऊंचा है। इसकी वक्ष ऊंचाई छाती की ऊंचाई पर परिधि 4.55 मीटर दर्ज की गई है। यही आंकड़ा इसे देश के विशाल सफेदा वृक्षों में दूसरे स्थान पर पहुंचाता है। खास बात यह है, कि राष्ट्रीय रिकॉर्ड में दर्ज देश के सबसे मोटे सफेदा वृक्ष से आबू का यह वृक्ष महज 15 सेंटीमीटर पीछे है। राष्ट्रीय रिकॉर्ड के अनुसार आंध्र प्रदेश के अनामैया जिले की मदनपल्ली रेंज स्थित हॉर्सली हिल्स पर देश का सबसे मोटा सफेदा वृक्ष दर्ज है। हिल स्टेशन के नाम पर इसका नाम हॉर्सली हिल रखा गया। वर्ष 1859 में तत्कालीन चित्तूर जिले के कलेक्टर डब्ल्यू. एच. हॉर्सले ने वहां यूकेलिप्टस ग्रैंडिस प्रजाति का पौधा लगाया था। वर्ष 1995 में भारत सरकार ने इस वृक्ष को देश का सबसे बड़ा सफेदा वृक्ष घोषित करते हुए महावृक्ष पुरस्कार प्रदान किया था। उस समय वृक्ष की आयु करीब 136 वर्ष, ऊंचाई 36 मीटर और वक्ष ऊंचाई पर परिधि 4.38 मीटर दर्ज की गई थी। वर्तमान में इसकी आयु करीब 167 वर्ष, ऊंचाई लगभग 40 मीटर और परिधि 4.70 मीटर बताई गई है। आबू के सफेदा वृक्ष की खासियत उसकी मोटाई के साथ-साथ उसकी संरचना भी है। डॉ. सतीश कुमार शर्मा के अनुसार वृक्ष के तने पर करीब तीन मीटर तक कोई शाखा नहीं है। इसके बाद तना कई शाखाओं में विभाजित हो जाता है। इतनी उम्र के बावजूद वृक्ष का खड़ा होना और उसका विशाल आकार आबू पर्वत की अनूठी जलवायु और यहां मौजूद पुराने वृक्षों की विरासत को सामने लाता है। डॉ. शर्मा ने राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध महावृक्ष रिकॉर्ड से इसके आंकड़ों का मिलान कर इस वृक्ष की अहमियत सामने रखी है। उनके अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि आबू का यह पेड़ केवल राजस्थान का विशालतम सफेदा ही नहीं, बल्कि मोटाई के लिहाज से देश की महत्वपूर्ण वृक्ष विरासतों में शामिल है। इस महत्वपूर्ण खोज के बाद वन विभाग द्वारा वृक्ष के संरक्षण की दिशा में कदम उठाए जाने की तैयारी है। वृक्ष के समीप सूचना पट्ट साइन बोर्ड लगाने की योजना है, ताकि यहां आने वाले पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों को राजस्थान की इस दुर्लभ वृक्ष विरासत के बारे में जानकारी मिल सके। डॉ शर्मा का कहना है कि ऐसे पुराने और विशाल वृक्ष केवल पेड़ नहीं, बल्कि किसी क्षेत्र के प्राकृतिक इतिहास के जीवंत दस्तावेज होते हैं। इनका वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण और संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहद जरूरी है। माउंट आबू में मिला यह सफेदा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, कि देश के सबसे मोटे सफेदा वृक्ष और इसके बीच अब अंतर महज 15 सेंटीमीटर रह गया है। ऐसे में डॉ. सतीश कुमार शर्मा का यह शोध राजस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण वन-विरासत उपलब्धि के रूप में देखा जा सकता है।

अवैध हुक्का बार पर पुलिस ने छापेमारी कर किए दो संचालक गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर शहर में अवैध हुक्का बार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बजाज नगर थाना पुलिस ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए कैफे डियोना रेस्ट्रो कैफे में संचालित अवैध हुक्का बार में छापेमारी कर मौके से दो संचालकों को गिरफ्तार किया है, और साथ ही 4 हुक्के, 4 चिलम, 4 पाइप और विभिन्न प्रकार के फ्लेवर जब्त किए। हुक्का पी रहे 13 लोगों के कोटपा एक्ट के तहत चालान किए गए, जबकि शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका पर 21 लोगों के खिलाफ बीएनएसएस की धारा के तहत निरोधात्मक कार्रवाई की गई। डीसीपी जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि शहर में अवैध गतिविधियों और हुक्का बार के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

इसी क्रम में बजाज नगर थानाधिकारी रामधन डोभाल के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने कैफे डियोना में दबिश दी तो वहां अवैध रूप से हुक्का पिलाया जा रहा था। पुलिस ने संचालक मनोज कुमार 28 निवासी श्रीगंगानगर और धर्मसिंह 22 निवासी मध्यप्रदेश को गिरफ्तार किया। अधिनियम 2019 के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं पुलिस ने मौके पर हुक्का पीते मिले 13 लोगों के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत चालान की कार्रवाई की गई। वहीं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 21 गैरसायलान के खिलाफ बीएनएसएस की धारा के तहत निरोधात्मक कार्रवाई की गई। डीसीपी रंजीता शर्मा ने आमजन से अपील की कि क्षेत्र में कहीं भी अवैध हुक्का बार अथवा अन्य गैरकानूनी गतिविधियां संचालित होने की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। सूचना मिलने पर पुलिस की ओर से त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान निकाय चुनाव के प्रथम चरण में रिकॉर्डतोड़ वोटिंग

83.53 प्रतिशत वोटिंग से खेतड़ी टॉप

नवलगढ़ में 71.10 प्रतिशत पर सबसे पीछे

जिले में कुल 75.90% मतदान

अशोक राईका

झुंझुनूं (नवयत्न)। जिले में बुधवार को 9 निकायों के 274 वार्डों में मतदान हुआ। इन निकायों में कुल 2,58,417 मतदाता थे, जिनमें से 1,96,147 मतदाताओं ने वोट डाला। जिले में कुल मतदान प्रतिशत 75.90 प्रतिशत रहा। सबसे ज्यादा मतदान खेतड़ी में 83.53 प्रतिशत हुआ। वहीं सबसे कम मतदान नवलगढ़ में 71.10 प्रतिशत दर्ज किया गया। सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक चले मतदान में कई जगह लंबी कतारें लगीं। कुल 1194 प्रत्याशी मैदान में थे, जिनका राजनीतिक भविष्य अब ईवीएम में बंद हो गया है। शाम तक सबसे ज्यादा मतदान खेतड़ी में 83.53 प्रतिशत और सबसे कम नवलगढ़ में 71.10 प्रतिशत हुआ। झुंझुनूं नगर परिषद में 74.70 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाला। मतदान शांतिपूर्ण कराने के इंतजामों के बावजूद झुंझुनूं शहर में कई बूथों पर फर्जी मतदान के आरोपों को लेकर विवाद और हंगामा हुआ। कहीं मारपीट हुई तो कहीं मतदान प्रभावित करने के आरोप लगे। कुछ जगह मतदाताओं ने उनका वोट पहले ही डाले जाने की शिकायत की। तकनीकी खराबी के चलते कई बूथों पर ईवीएम भी बदली गई।

वार्ड 14 : फर्जी वोटिंग के विरोध पर मारपीट, कपड़े फाड़े

झुंझुनूं नगर परिषद के वार्ड 14 में पीरू सिंह सर्किल के पास मतदान केंद्र पर दोपहर करीब 2 बजे फर्जी मतदान के आरोप को लेकर हंगामा हो गया। आरोप है कि विरोध करने पर भाजपा प्रत्याशी के पति के साथ मारपीट की गई और उनके कपड़े फाड़ दिए गए। भाजपा प्रत्याशी निर्मला देवी ने भी धक्का-मुक्की का आरोप लगाया। मौके पर प्रत्याशी और पुलिस के बीच बहस हुई।

वार्ड 49 : मतदाता ने कहा- मदद के बहाने मेरी मर्जी के खिलाफ दबाया बटन

झुंझुनूं की हॉट सीट वार्ड 49 में दोपहर बाद विवाद हुआ। मतदाता अंजलि ने शिकायत की कि बूथ पर तैनात एएनएम सुशीला ने मदद करने के बहाने उसकी इच्छा के खिलाफ ईवीएम का बटन दबा दिया। शिकायत के बाद स्वास्थ्य कर्मी सुशीला को बूथ से हटा दिया गया। सतीश कुमार शर्मा को सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया।

वार्ड 2 : में तीन हिरासत में, वार्ड 18 में बीएलओ हटाया

वार्ड 2 में फर्जी मतदान के आरोप को लेकर हंगामा हुआ। पुलिस ने तीन युवकों को हिरासत में लिया। वार्ड 18 के बूथ पर बीएलओ पर मतदान प्रभावित करने के आरोप लगे। प्रत्याशी की शिकायत के बाद बीएलओ का मोबाइल जब्त कर उसे बूथ से हटा दिया गया।

दो महिलाओं ने शिकायत की- हमारा वोट पहले ही पड़ गया

वार्ड 31 में व्हीलचेयर पर मतदान करने पहुंची शारदा देवी को पता चला कि उसका वोट पहले ही डाला जा चुका है। उसने बीएलओ से शिकायत की। वार्ड 43 में भी संतोष देवी के बूथ पर पहुंचने पर कर्मचारी ने बताया कि उनका वोट पहले ही पोल हो चुका है।

फर्जी वोटिंग के आरोपों से कई बूथों पर हंगामा

झुंझुनूं में वार्ड 14 में मारपीट-कपड़े फाड़ने का आरोप

वार्ड 49 में मतदाता ने कहा-मेरी मर्जी के खिलाफ दबाया ईवीएम बटन।

वार्ड 35 : फर्जी वोटिंग के आरोप पर हंगामा, पुलिस से बहस

वार्ड 35 में करीब साढ़े चार बजे माकपा प्रत्याशी की ओर से फर्जी वोटिंग कराने का आरोप लगाया गया। समर्थकों ने विरोध किया तो पुलिस से बहस हो गई और हंगामे की स्थिति बन गई। पुलिस ने माकपा नेता महिपाल पूनिया को गाड़ी में बैठाने का प्रयास किया। समर्थकों ने नारीबाजी शुरु कर दी। अधिकारी मौके पर पहुंचे और समझाइश कर मामला शांत कराया।

पहली बार वोट डालने पहुंचे युवाए बोले... आज पहली बार लोकतंत्र में निभाई जिम्मेदारी

झुंझुनूं। निकाय चुनाव में पहली बार मतदान करने वाले युवाओं में खासा उत्साह नजर आया। युवा सुबह ही मतदान केंद्रों पर पहुंचे और पहली बार अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। वोट डालने के बाद युवाओं ने कहा कि पहली बार मतदान करना उनके लिए यादगार अनुभव है। उन्होंने कहा कि अपना प्रतिनिधि चुनने में अब हमारी भी भागीदारी है।

सुबह से ही बढ़ता गया मतदान

सुबह 10 बजे तक जाखल में 37.42 प्रतिशत और सुलताना में 37.04 प्रतिशत मतदान हो चुका था। दोपहर 1 बजे जाखल 64.79 प्रतिशत और सुलताना 63.12 प्रतिशत पर पहुंच गए। दोपहर 3 बजे जाखल में 72.75 प्रतिशत और सुलताना में 71.89 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। शाम 6 बजे तक खेतड़ी में 83.53 प्रतिशत, सुलताना में 81.09 प्रतिशत, उदयपुरवाटी में 80.69 प्रतिशत, जाखल में 79.97 प्रतिशत, बगड़ में 75.97 प्रतिशत, मुकुंदगढ़ में 75.56 प्रतिशत, झुंझुनूं में 74.70 प्रतिशत, डूंडलोद में 74.32 प्रतिशत और नवलगढ़ में 71.10 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान खत्म होने के साथ ही प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में बंद हो गई। अब सभी की नजर मतगणना पर है।

नगर निकाय चुनाव में स्काउट गाइड ने दी सेवाएं

सुरेन्द्र शर्मा

झुंझुनू (नवयत्न)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनू के तत्वावधान में जिला निर्वाचन अधिकारी (जिला कलेक्टर) एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी झुन्झुनू के निर्देशानुसार नगर निकाय चुनाव के प्रथम चरण में स्काउट्स गाइड्स, रोवर्स रेंजर्स, एनसीसी कैडेट्स एवं एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा दिव्यांग मित्र के रूप में कार्य कर मतदान को सुगम बनाने में महत्ती योगदान प्रदान किया। सीओ स्काउट महेश कालावत ने बताया प्रातः मतदान प्रारंभ होने से मतदान समाप्ति तक स्काउट्स गाइड्स द्वारा मुस्तैदी से कार्य करते हुए वृद्धजनों को मतदान बूथ तक लाने ले जाने, पानी पिलाने, छाया में बैठाने, लाइन लगाने, दिव्यांगजनों को व्हील चेयर पर लाने जैसे कार्यों में अपेक्षित सहयोग किया गया। इनकी मॉनिटरिंग हेतु जिला मुख्यालय पर सीओ स्काउट महेश कालावत ने राष्ट्रपति अवार्डी स्काउट प्रभारी विजय कुमार गर्वा के नेतृत्व में दिनेश लखटकिया, रामदेव सिंह, सुनील कुमार ने उत्कृष्ट कार्य किया।

बूथ-बूथ पहुंचे कलेक्टर-एसपी, वार्ड 49-50 पर खास नजर

अशोक राईका

झुंझुनूं (नवयत्न)। नगरीय निकाय चुनाव के पहले चरण में मतदान के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग और पुलिस अधीक्षक कवेंद्र सिंह सागर ने शहर के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने बूथों पर पहुंचकर मतदान व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम और मतदाताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। कलेक्टर और एसपी ने वार्ड 1, पशु चिकित्सालय, खनि अभियंता कार्यालय, बटवलान मोहल्ला, नायक मोहल्ला सहित वार्ड 49 और 50 के विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा किया। उन्होंने मतदान प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के साथ बूथों पर कानून-व्यवस्था की स्थिति की भी जानकारी ली।

मतदाताओं से कहा- बिना डर के करें मतदान-कलेक्टर और एसपी ने मतदाताओं से निर्भीक और भयमुक्त होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित मतदान के लिए प्रशासन की ओर से सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं। अधिकारियों ने मतदान केंद्रों पर मौजूद कर्मचारियों और सुरक्षा जवानों को भी सतर्कता के साथ ड्यूटी निभाने तथा मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के निर्देश दिए।

दिव्यांगों ने दिखाया लोकतंत्र का जज्बा 85.73% ने किया मतदान

अशोक राईका

झुंझुनूं (नवयत्न)। नगरीय निकाय चुनाव के पहले चरण में जिले के दिव्यांग मतदाताओं ने भी लोकतंत्र के पर्व में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। जिले की 9 निकायों में 1346 दिव्यांग मतदाता पंजीकृत थे, इनमें से 1154 ने मतदान किया। दिव्यांग मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 85.73 प्रतिशत रहा। मतदान केंद्रों पर दिव्यांग मतदाताओं को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसके लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। मतदान प्रक्रिया में सहयोग के लिए स्काउट-गाइड के छात्र-छात्राओं ने भी जिम्मेदारी निभाई।

मतदान के दौरान चार जगह हंगामा

नवलगढ़।

नगरपालिका चुनाव में बुधवार को मतदान के दौरान तीन जगह फर्जी वोटिंग के आरोप को लेकर हंगामा हुआ। वार्ड 27 में दो पक्षों के बीच हाथापाई हो गई। दोनों पक्षों के प्रत्याशियों ने एक-दूसरे पर फर्जी वोट डलवाने का आरोप लगाया। हंगामे की सूचना पर डीएसपी सुगनसिंह और सीआई अजयसिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों पक्षों के समर्थकों को वहां से हटाया और मामला शांत कराया। पोदार कॉलेज में बने वार्ड 4 के मतदान केंद्र पर भी फर्जी वोटिंग के आरोप को लेकर हंगामा हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। इसी तरह पंचायत समिति में बने वार्ड 3 और 44 के मतदान केंद्र पर भी फर्जी वोटिंग के आरोप को लेकर समर्थकों में कहासुनी हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाल ली। नवलगढ़ शहर में मतदान के लिए कुल 49 केंद्र बनाए गए थे। इन घटनाओं के अलावा मतदान प्रक्रिया सामान्य रूप से चलती रही। शाम को मतदान पूरा होने के बाद सभी प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया। अब 14 सितंबर को होने वाली मतगणना में परिणाम सामने आएगा।

सम्पादकीय

जर्जर इमारतें गिरती रहीं, तंत्र सोता रहा

आखिर कौन होने देता है ऐसे हादसे?

देश में महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक में किराए पर मकान देने का एक बहुत बड़ा उद्योग खड़ा हो गया है। जहां जगह मिले, वहां बहुमंजिला इमारतें बना दी जाती हैं। सरकारी दस्तावेजों में भले ही ऐसी इमारतें आवासीय श्रेणी में पंजीकृत होती हैं, लेकिन इनमें से कई में पेइंग गेस्ट (पीजी), होटल और रेस्तरां संचालित किए जाते हैं। जब ये इमारतें जर्जर हो जाती हैं, तो कई दफा भरभराकर गिर जाती हैं या इनमें आग लगने के हादसे होते हैं। ऐसी घटनाओं में एफआइआर दर्ज होती है, उसके बाद कुछ इमारतों पर सीलिंग या तोड़फोड़ की कार्रवाई होती है और बाद में सब कुछ फिर उसी ढर्रे पर लौट आता है।

हादसों की कड़ियों में बीते रविवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर के पास स्थित सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत के ढहने की घटना भी शामिल हो गई है, जिसमें विद्यार्थियों समेत सात लोगों की मौत हो गई। ऐसे में सवाल सिर्फ यह नहीं है कि ये सब कैसे हो रहा है, बल्कि यह भी है कि कौन है, जो ऐसा होने दे रहा है?

हाल के दिनों में देश भर में जर्जर इमारतों के गिरने या आग लगने के कई हादसे सामने आ चुके हैं। बीते जून में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर में एक होटल में आग से बाईस लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद उत्तर प्रदेश में लखनऊ के अलीगंज स्थित एक व्यावसायिक इमारत में आग की घटना में विद्यार्थियों समेत पंद्रह लोगों की जान चली गई थी। खबरों के मुताबिक, सत्य निकेतन में जिस इमारत के गिरने से हादसा हुआ, वह काफी पुरानी थी और जर्जर हालत में थी। इसके बावजूद उसे पीजी के तौर पर किराए पर दिया गया था। जब हादसा हुआ, उस वक्त वहां भूतल पर मरम्मत कार्य चल रहा था। यानी वहां रहने वाले विद्यार्थियों की जान को जानबूझकर जोखिम में डाला गया। पुलिस ने भले ही इमारत के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है और सरकार ने संबंधित पांच अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, लेकिन क्या इस कार्रवाई से यह सुनिश्चित हो पाएगा कि भविष्य में ऐसे हादसे की पुनरावृत्ति नहीं होगी? सवाल सिर्फ किसी एक घटना का नहीं है, बल्कि देश भर में उन हजारों जर्जर इमारतों का है, जिनका नियमों को धता बताकर व्यावसायिक इस्तेमाल किया जा रहा है। बड़े शहरों में किसी इमारत का नक्शा पास होने से लेकर उसके बनने तक एक लंबी विभागीय प्रक्रिया होती है। कई स्तर पर जांच होती है, तब जाकर उसके इस्तेमाल की अनुमति दी जाती है। इसके बाद भी समय-समय पर उसकी जांच करने का प्रावधान है और अगर वह जर्जर हालत में पाई जाती है, तो उसे असुरक्षित घोषित किया जाता है। इसके बावजूद अगर नियमों की अनदेखी की जाती है, तो इसे सांठगांठ का तंत्र नहीं तो और क्या कहा जाएगा।

दिल्ली सरकार अब पीजी सुरक्षा नीति लाने की तैयारी कर रही है। हालांकि राजधानी में इस तरह के प्रयास वर्ष 1993 से जारी हैं, लेकिन अभी तक ठोस नियम जमीनी स्तर पर लागू नहीं हो पाए हैं। पीजी में रहने वालों से मोटी रकम किराए में वसूली जाती है, लेकिन उनकी सुरक्षा पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। सरकार को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि सिर्फ नीति या कानून बना देने से समस्या हल नहीं हो सकती, जरूरत उन्हें कड़ाई से अमल में लाने की है।

विशेष आलेख

सवालों के जवाब देकर इस पीढ़ी की पीड़ा करें दूर

राजनीतिक नफे-नुकसान से ऊपर उठकर इस पीढ़ी को समझना होगा। उसकी पीड़ा और उसकी नाराज़गी को भी हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। वह निराश है तो उसकी निराशा को समझने की कोशिश होनी चाहिए; वह सवाल उठा रही है तो उसके सवालों के जवाब देने की कोशिश होनी चाहिए।

लगभग तेरह साल पुरानी बात है। तब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री नहीं थे, प्रधानमंत्री-पद के उम्मीदवार थे। अपनी योग्यता-क्षमता को दिखाने के लिए उनके पास गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में किया गया काम था। उसी दौरान उन्होंने राजधानी दिल्ली के एक कॉलेज में एक भाषण दिया था। उस भाषण में वह सब था, जो एक उम्मीदवार मतदाता को रिझाने के लिए कह सकता है। सपना दिखाया गया था, वादे किए गए थे। उस भाषण का एक जुमला बहुत चर्चित हुआ था तब—आधे भरे और आधे खाली गिलास वाला मुहावरा। आशावाद और निराशावाद का अंतर समझाने के लिए अक्सर यह उदाहरण दिया जाता है और कहा जाता है कि वह आशावादी है, जो गिलास को आधा भरा हुआ बताता है और जो कहता है कि गिलास आधा खाली है, वह निराशावादी है। तब नरेंद्र मोदी ने इस मुहावरे में एक बात और जोड़ी थी, जिसने इस घिसी-पिटी बात को 'ताज़गी' दे दी थी। नरेंद्र मोदी ने कहा था, 'मुझे वह गिलास पूरा भरा हुआ दिखाई दे रहा है—आधा पानी से, और आधा हवा से।'

तेरह साल बाद नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री के रूप में दिल्ली के उसी श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में छात्रों को, और इसके बहाने देश को, संबोधित करने के लिए पहुंचे थे। अवसर कॉलेज के शताब्दी समारोह का था और जो विद्यार्थी उन्हें सुनने के लिए पहुंचे थे, वे तब शायद किसी स्कूल में पढ़ते होंगे। जिन्होंने तेरह साल पहले वाला 'पूरे भरे गिलास' वाला भाषण सुना था, उन्हें वह याद भी था और मेरी तरह शायद वे यह उम्मीद भी कर रहे थे कि प्रधानमंत्री पूरे भरे गिलास वाली अपनी बात दोहराएंगे। और प्रधानमंत्री ने भी अपनी कही उस बात को दोहराना ज़रूरी समझा। सामने बैठे विद्यार्थियों के लिए यह बात नई थी। उन्हें भी प्रधानमंत्री का आशावाद अच्छा लगा। तब भावी प्रधानमंत्री ने सपने दिखाए थे, अब वर्तमान प्रधानमंत्री 'अपना रिपोर्ट कार्ड' लेकर उपस्थित थे। पिछले तेरह साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए की सरकार की उपलब्धियों को गिनाना शायद स्वाभाविक था। खूब गिनाईं, और तालियां भी बजीं।

प्रधानमंत्री यह जानते थे कि कॉलेज में पढ़ने वाली जिस पीढ़ी को वे संबोधित कर रहे हैं, वह 'जेन ज़ी' नए मुहावरों को समझती है। देश के युवकों की एक अपनी भाषा है, अपना मुहावरा है उनका। प्रधानमंत्री ने कोशिश की उनसे उनकी भाषा में बात करने की। यह पीढ़ी सपने देखने के बजाय ठोस उपलब्धियों की जानकारी चाहती है। उपलब्धियां गिनाईं उन्होंने। पर यह 'जेन ज़ी' सवाल उठाने वाली है। उपलब्धियों को स्वीकारा जाना चाहिए, पर ऐसे मौके आत्मान्वेषण के भी होते हैं। यह अवसर एक प्रसिद्ध शिक्षा-संस्थान की शताब्दी का था। विद्यार्थी उस शिक्षा-स्थिति के बारे में भी सुनना चाहते थे, जो आज के भारत की चिंता का विषय होना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि पिछले लगभग अस्सी साल में देश में अनेक महत्वपूर्ण शिक्षा-संस्थान खुले हैं। एक लंबी-चौड़ी सूची है हमारे पास नए-नए आई.आई.टी. और आई.आई.एम. की। लेकिन यह सवाल भी उठता रहा है कि हमारे शिक्षा-संस्थानों को वैश्विक स्वीकार्यता क्यों नहीं मिल पाई। प्राथमिक कक्षाओं से लेकर शिक्षा के उच्चतम पायदान पर दी जा रही शिक्षा आज सवालों के घेरे में क्यों है? गुणवत्ता और बुनियादी शिक्षा के स्तर पर बनी चुनौतियों को हम कब देखेंगे—स्वीकारेंगे?

लगभग 17 साल पहले हमने देश के नागरिकों के लिए शिक्षा के अधिकार को स्वीकारा था। सर्वशिक्षा अभियान जैसी पहल से स्थिति में कुछ सुधार आया है। पर प्राथमिक शिक्षा में जितना और जैसा सुधार अपेक्षित था, वह कहीं दिखाई नहीं दे रहा। आए दिन सरकारी स्कूलों के बंद होने और निजी स्कूलों के खुलने के समाचार मिल रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों की स्थिति को लेकर पिछले कुछ दिनों में देश में ढेरों सवाल उठे हैं। एक-

एक कमरे में चार-चार कक्षाएं एक साथ लग रही हैं। स्कूलों में टाट-पट्टी और शौचालय जैसी ज़रूरी सुविधाओं का भी अभाव है। 'असर' जैसी संस्थाएं बार-बार इस स्थिति को उजागर कर रही हैं कि पांचवीं में पढ़ने वाला बच्चा तीसरी कक्षा की किताबें भी ठीक से नहीं पढ़ पा रहा। जहां तक उच्च शिक्षा का सवाल है, उसकी स्थिति भी कुल मिलाकर निराशाजनक ही है। हमारे इंजीनियरिंग कॉलेजों की पढ़ाई भी उस स्तर की नहीं है कि डिग्री प्राप्त करने के बाद विद्यार्थी रोज़गार की अपेक्षाओं की शर्तों पर खरा उतर सके। उच्च शिक्षा के लिए हमारे विद्यार्थी विदेशों में जाने को प्राथमिकता क्यों देते हैं? प्रधानमंत्री अंतरिक्ष में 'स्पेस सेंटर' बनाने का सपना तो दिखा रहे हैं, पर धरती पर दुर्दशा की हकीकत की गंभीरता को कब समझा जाएगा?

श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के अपने चर्चित भाषण में प्रधानमंत्री ने नई पीढ़ी से जुड़ने का प्रयास अवश्य किया है, पर पूरे भाषण पर चुनावी-साया दिखाई दे रहा है। यह अवसर एक प्रसिद्ध कॉलेज की शताब्दी का था और संयोग से उस दिन शिक्षक-दिवस भी था। यही नहीं, कुछ ही अरसा पहले देश ने 'जेन ज़ी' का असंतोष देखा था और इसी बीच ग्रामीण इलाकों के स्कूलों की दुर्दशा का मसला भी उभर कर सामने आया है। ऐसे में यह अपेक्षा तो होनी ही चाहिए थी कि प्रधानमंत्री देश में शिक्षा की स्थिति और समस्या पर कुछ कहेंगे। पर इस संदर्भ में कुछ विशेष नहीं कहा उन्होंने। देश की जनता के समक्ष अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करना भी ज़रूरी होता है, पर यह कतई ज़रूरी नहीं है कि हमारे राजनेता चुनावी माहौल से उबर ही न सकें। उबरना चाहिए उन्हें। भाषणों में जुमले और मुहावरे अच्छे लगते हैं, पर हमेशा नहीं। शिक्षा-जगत से जुड़े एक महत्वपूर्ण अवसर पर प्रधानमंत्री ने हवा से भरे हुए गिलास और 'दिमाग़ी नक्सल' वाली अपनी बातों को दोहराना ज़रूरी समझा, यह उनका विशेषाधिकार है। युवा पीढ़ी से जुड़ने की उनकी अपनी कोशिश में भी कुछ ग़लत नहीं है, बल्कि ज़रूरी है इस पीढ़ी से जुड़ना, उसकी आकांक्षाओं और चिंताओं को समझना। पर 'नाराज़ फूफा' जैसे जुमले ऐसी कोशिशों को हल्का ही बनाते हैं। हमारे समय और समाज की आवश्यकता है कि नई पीढ़ी को समझने की ईमानदार कोशिश हो। राजनीतिक नफे-नुकसान से ऊपर उठकर इस पीढ़ी को समझना होगा। उसकी पीड़ा और उसकी नाराज़गी को भी हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। वह निराश है तो उसकी निराशा को समझने की कोशिश होनी चाहिए; वह सवाल उठा रही है तो उसके सवालों के जवाब देने की कोशिश होनी चाहिए।

बीबीसी ने श्रीराम कॉलेज के कार्यक्रम के बाद कुछ युवाओं से बातचीत की थी। उनमें एक युवक वह भी था, जिसे इसलिए कार्यक्रम में प्रवेश नहीं मिला, क्योंकि वह काली कमीज़ पहने हुए था! उसने बीबीसी के संवाददाता को बताया कि शायद आयोजकों को लगा था कि काली कमीज़ खतरे की घंटी है। मान लेना चाहिए कि उस युवक का कोई ग़लत इरादा नहीं था। उसका काली कमीज़ पहनकर आना एक संयोग हो सकता है। पर यह तय है कि देश की जेन-ज़ी अथवा जेन-अल्फा के पास कुछ सवाल हैं, जो उसे परेशान करते हैं। हमारे नेतृत्व को उनकी परेशानी को समझना होगा। तभी गिलास सही अर्थों में भरेगा।

आज का राशिफल

मेष

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार-व्यवसाय की गति बढ़ेगी। चिंता रह सकती है।

वृष

मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। यश बढ़ेगा।

मिथुन

शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। बेवजह किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के बहकावे में न आएं।

कर्क

पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी। व्यापार में वृद्धि तथा सम्मान में वृद्धि होगी।

सिंह

कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा।

कन्या

किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

तुला

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे। नकारात्मकता हावी रहेगी। शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से क्लेश होगा।

वृश्चिक

सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने के प्रति रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा।

धनु

भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी। नौकरी में मनोनुकूल स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट आदि से बड़ा फायदा हो सकता है।

मकर

प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्त्री वर्ग से सहायता प्राप्त होगी।

कुंभ

शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

स्वास्थ्य समाचार

कड़वी मेथी के पत्तों के यह बेहतरीन गुण

मेथी के पत्ते भारतीय रसोई में सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री हैं। विश्वास नहीं होता तो ज़रा पिछले हफ्ते के बारे में सोचें जब आपने इसे अपने परांठे में मिला कर या या सब्जी के रूप में खाया था। लेकिन क्या आप जानती हैं कि मेथी के पत्तों को अपने खाने में शामिल करने से आपकी सेहत में भी सुधार हो सकता है। मेथी न सिर्फ आपके सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिए बल्कि आपके बालों और त्वचा के लिए भी फायदेमंद है।

बहुत खास है मेथी

इसमें कैलोरी जहां कम होती है वहीं सॉल्यूबल या घुलनशील फाइबरअच्छी मात्रा में होते हैं। यह उन लोगों के लिए आदर्श हैं, जो डाइट पर हैं या जो रोज़ ली जाने वाली कैलोरी पर नज़र रखते हैं। ताकि उन्हें संतुलित रखा जा सके क्योंकि ये पत्ते लंबे समय तक आपको पेट भरे होने यानी फुल फील कराते हैं। आप तृप्त महसूस करने के साथ-साथ बार-बार भूख लगने की फीलिंग से भी दूर रहती हैं। मेथी और उसके पत्तों से जुड़े फायदों के बारे में हुए एक अध्ययन में यह बात सामने आई कि मेथी में एंटासिड दवाओं के गुण मौजूद हैं।

एंटीऑक्सीडेंट्स का है खजाना

हम सभी जानते हैं कि हमारे शरीर को ऐसी डाइट से खास लगाव है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में हों। मेथी के पत्ते विटामिन सी, ए और बीटा कैरोटीन से भरपूर होते हैं। यह पावर कॉम्बो आपके शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यूनिटी सिस्टम) का निर्माण करके आपकी मदद करता है। जो सामान्य बीमारियों से लड़ने में आपकी मदद करता है।

कैसे करें उपयोग

साथ ही, एंटीऑक्सीडेंट गुण आपकी त्वचा की चमक बनाए रखने में मदद करते हैं और उसे हमेशा तरोताज़ा और जवान बनाए रखते हैं। मेथी की पत्तियों को ज़्यादा पकाने से बचें। इन पत्तों को पकाने का सबसे अच्छा तरीका है कि पहले इन्हें ब्लांच (पार-बॉयल या हाफ बॉयल) कर लें और फिर भोजन में इनका इस्तेमाल करें।

कोलेस्ट्रॉल और मधुमेह की है दुश्मन

ये पत्ते डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए तो वरदान हैं ही मधुमेह कम करने में भी सहायक हैं। टाइप 1 और टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित लोगों पर हुए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि मेथी के पत्ते उनके कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में सहायक थे। जिन लोगों को मधुमेह नहीं है, उनमें भी मेथी के पत्ते खाने के कुछ घंटों बाद शुगर का स्तर कम हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये पत्ते शरीर की कार्ब एब्सॉर्ब करने की क्षमता को बढ़ाते हैं। जिससे इंसुलिन बॉडी में चैनलाइज होता है और कोलेस्ट्रॉल में सुधार आता है।

पाएं बेदाग त्वचा

मुंहासे निकलने से ज़्यादा बुरा लगता है उनका चेहरे पर दाग-धब्बे छोड़ जाना और यकीन मानिए सारे दाग अच्छे नहीं होते। ऐसी स्थिति से निपटने में मेथी के पत्ते आपकी मदद कर सकते हैं।

कैसे करें उपयोग

आपको बस इतना करना है कि कुछ पिसी हुई मेथी के बीज का पाउडर और पानी का मिश्रण प्रभावित जगह पर लगाना है। इस मिश्रण को प्रभावित जगह पर लगाने के बाद इसे पंद्रह मिनट के लिए छोड़ दें और फिर इसे पोंछ लें। प्रत्येक एप्लिकेशन के साथ आपकी त्वचा हेल्दी और बेहतर होने लगेगी। ध्यान रहे कि त्वचा को साफ करने या मेकअप हटाने के लिए पोंछते समय हमेशा स्पंज या कॉटन बॉल जैसी मुलायम सामग्री का ही इस्तेमाल करें।

पाएं लम्बे और स्वस्थ बाल

क्या आप भी सुन्दर घने मुलायम हेल्दी और शाइनिंग बाल पाना चाहती हैं? लंबे चमकदार बाल पाने के आयुर्वेदिक तरीकों में मेथी के पत्ते के इस्तेमाल का जिक्र है। यह आपके स्कैल्प और बालों के स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छा है। अगर आप इसका नियमित उपयोग करें तो आप भी अपने बालों की क्वालिटी और सेहत में आए पॉजिटिव बदलाव महसूस कर सकेंगी।

कैसे करें उपयोग

आप अपने स्कैल्प पर गाढ़ा मेथी का पेस्ट लगा सकती हैं और इसे चालीस मिनट के लिए लगा छोड़ दें। सूखने पर इसे ठंडे पानी से धो लें। अगर आपको तेल लगाना पसंद है, तो आप मेथी के दानों को करी पत्ते और नारियल के तेल के साथ गर्म कर सकते हैं। अपने सिर पर यह तेल लगाकर 30 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर बालों को धुल लें। अपने बालों पर बिना तेल के मेथी का गाढ़ा पेस्ट लगा रही हों तो अपने बालों को बिना शैम्पू इस्तेमाल किए ठंडे पानी से ही धोएं।

मेथी की ग्रीन स्मूदी

जैसा कि नाम से ही पता चलता है कि यह स्मूदी ग्रीन होगी, तो इसका मतलब है कि हम इसमें ढेर सारी ग्रीन चीज़ें मिक्स करेंगे। यह ग्रीन स्मूदी बनाने के लिए मेथी के पत्तों के साथ मुट्ठी भर पालक और पुदीना के पत्ते मिलाएं। अगर आप इसे थोड़ा मीठा बनाना चाहती हैं, तो मिश्रण में नेचुरल शुगर एड करने के लिए सेब या केले जैसे फल मिलाएं। इससे इस स्मूदी का हेल्थ कोशंट भी बढ़ जाएगा। कंसिस्टेंसी के लिए इसमें नॉन-फैट ग्रीक योगर्ट या घर में जमाया हुआ रेगुलर दही मिलाएं। आप दो केले, एक सेब, एक स्ट्रॉबेरी और कुछ मेथी के पत्तों का उपयोग करके भी स्मूदी बना सकती हैं। ध्यान रहे कि यह स्मूदी हफ्ते में एक बार से ज्यादा न ली जाए।

नाश्ते के लिए मेथी के परांठे या थेपले

अलग-अलग व्यंजनों में मेथी के पत्तों का उपयोग करने का अलग और अपना तरीका है। इस रेसिपी से आप नाश्ते के लिए मेथी के परांठे या या थेपले बना सकती हैं। दो कप आटा लें, उसमें एक कप बेसन और आधी कटोरी सूजी मिक्स करें। एक बड़ा चम्मच रिफाइंड ऑयल ऐड करें। मिश्रण में बारीक कटे मेथी के पत्ते और एक प्याज़ के साथ चुटकी भर आजवाइन, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, एक चम्मच अमचूर और इतना ही भुना हुआ जीरा डालें। पानी की मदद से परांठे के लिए मुलायम आटा गूंथ लीजिये और फिर बेल कर परांठे बना लीजिए। इन्हें सेंक कर अमचूर की चटनी या रायते के साथ सर्व कीजिए।

सलाद में भी हो सकता है इस्तेमाल

मेथी के पत्तों को सलाद में खाने के लिए तीन आइसबर्ग लेट्यूस के पत्ते, दो काले पत्ते, तीन चेरी टमाटर और थोड़ा सा पनीर लें। इन सबको काट कर एक साथ मिला लें। याद रहे लेट्यूस को काट कर नहीं तोड़ कर डालें। ऊपर से नींबू का रस और काला नमक डालें। अगर आपको कुछ कड़वा और मीठा पसंद है, तो आप कद्दू और मेथी के पत्तों का सलाद ले सकती हैं ।

40 की उम्र के बाद आंखें होने लगती हैं कमजोर, ऐसे रखें अपनी आंखों का ख्याल

खूबसूरत और रंगीन दुनिया को देखने के लिए आंखों का स्वस्थ रहना बहुत ही जरूरी है। हर एक छोटी से छोटी चीज को देखने के लिए आंखों की दृष्टि सुरक्षित रहना जरूरी है। आंखों शरीर का बेहद संवेदनशील होता है, ऐसे में इसका खास ध्यान रखना जरूरी होता है। इन दिनों गलत खानपान और लाइफस्टाइल की वजह से कम उम्र में ही आंखों से जुड़ी परेशानी होने लगती है। अधिकतर 40 की उम्र तक आते-आते लोगों की आंखों में चश्मा चढ़ जाता है। अगर आप चाहते हैं कि आपकी आंखों में चश्मा न चढ़े, तो इसके लिए आपनी आंखों का विशेष ध्यान रखें। खासतौर पर 40 की उम्र के बाद आंखों को सुरक्षित रखने का प्रयास करें। उम्र बढ़ने के साथ-साथत शारीरिक और मानसिक रूप से काफी बदलाव होने लगता है। इन बदलाव में आंखों की दृष्टि भी शामिल है। 40 के बाद आप अपनी आंखों को निम्न तरह से सुरक्षित रख सकते हैं।

नियमित रूप से कराएं चेकअप : बढ़ती उम्र के दौरान आंखों की नियमित रूप से चेकअप कराएं। कम से कम साल में 1 बार आई टेस्ट जरूर कराएं। ताकि आंखों में होने वाली समस्याओं का पहले से पता चल सके।

डाइट में भरपूर रूप से लें एंटीऑक्सीडेंट और विटामिंस : आंखों को सुरक्षित रखने के लिए सिर्फ विटामिन ए ही नहीं, बल्कि कई अन्य तरह के पोषक कत्वों की भी जरूरत होती है। स्वस्थ आंखों के लिए संतुलित आहार जैसे- ओमेगा 3 एस, विटामिन

ई, विटामिन सी, जिंक जैसे विटामिंस और एंटीऑक्सीडेंट की आवश्यकता होती है। यह आपकी दृष्टि को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं। साथ ही यह आंखों के सेल्स को स्वस्थ रखने में असदार होते हैं। खासतौर पर मोतियाबिंद जैसी गंभीर समस्याओं को रोकने में असरदार हो सकता है।

सही आईवियर से आंखों को रखें सुरक्षित : आंखों को सुरक्षित रखना बहुत ही जरूरी होता है। लंबे समय तक आंखों को स्वस्थ रकने के लिए हर दिन आंखों का ख्याल रखना जरूरी होता है। खासतौर पर सूर्य की रोशनी में बाहर जाने के दौरान धूप का चश्मा जरूर पहनें। ताकि हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) किरणों से आंखों को सुरक्षित रखा जा सके। अगर आप लैपटॉप या डेस्कटॉप पर अधिक काम करते हैं, तो एंटी-क्लियर चश्मा पहनें। ताकि आपकी आंखों सुरक्षित रह सके।

अच्छी स्क्रीन हैबिट्स डालें : अगर आप ज्यादा टीबी, मोबाइल या लैपटॉप पर काम करेत हैं, तो यह आपकी आंखों को खराब कर सकती है। दरअसल, हर तरह के इलेक्ट्रॉनिक स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी आंखों को प्रभावित करती हैं। इससे आपकी आंखों की रोशनी खराब हो सकती है। इसलिए कोशिश करें कि अपनी स्क्रीन हैबिट्स को कम करें।

नियमित रूप से एक्सरसाइज करें : आंखों को सुरक्षित रखने के लिए नियमित रूप से एरोबिक एक्सरसाइज करें। इससे आंखों में ऑक्सीजन की आपूर्ति को बढ़ाता सकता है। साथ ही यह आपके अंत:स्रावी दबाव को कम करता है। एरोबिक एक्सरसाइज करने से मोतियाबिंद, एएमडी और ग्लूकोमा जैसी कई आंखों से जुड़ी बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं।

राम अवतार की सुंदर कथा का सजीव वर्णन किया

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। शहर के पंचावली फाटक के पास स्थित पंच दश नाम नाम जूना अखाड़ा आश्रम के गणेश मंदिर पर गणेश चतुर्थी के उपलक्ष में आयोजित चल रही संगीतमय श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ में बुधवार को तृतीय दिवस पर कथा वाचक आचार्य पंडित संदीप कृष्ण शास्त्री महाराज के द्वारा भगवान के अवतारों के हेतु नारद मोह के साथ ही राम अवतार की सुंदर कथा का वर्णन किया गया जिसमें आचार्य ने कहा कि हमारे हृदय रूपी अयोध्या में भी मर्यादा पुरुषोत्तम राम मर्यादा के रूप में आचरण के रूप में अवतरित हो। अवध में हो रही जय जयकार, कौशल्या लाल जायो है। जैसे भजनों के धुन पर भक्तों ने नृत्य के द्वारा खूब आनंद लिया भगवान के बाल रूप की सुंदर झांकी सजाई गई आयोजन समिति के सदस्य के रूप में बाबूलाल शर्मा, छाजू राम खेड़ीवाल, महावीर कुमावत, जटाशंकर व्यास सहित कथा में उपस्थित सभी भक्तों ने खूब आनंद लिया और टॉफी और खिलौने की खूब वर्षा हुई।

15 हजार का इनामी हथियार तस्कर 15 माह बाद गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। नाहरगढ़ थाना पुलिस ने अवैध हथियार तस्करी के मामले में 15 माह से फरार चल रहे 15 हजार रुपए के इनामी आरोपी मुनेन्द्र सिंह उर्फ मन्नू 35 निवासी लखनपुर जिला भरतपुर हाल मानसरोवर जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ अवैध हथियार, चोरी और मारपीट के छह मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उसे मानसरोवर स्थित किराए के फ्लैट से पकड़ा। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। डीसीपी जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि 21 मई 2025 को उनियारों के रास्ते स्थित एक मकान में हथियार होने की सूचना पर पुलिस ने दबिश दी थी। जहां मौके से राहुल मीणा और राहुल साहू को गिरफ्तार कर एक देशी कट्टा और आठ जिंदा कारतूस बरामद किए गए थे। इस संबंध में आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। पूछताछ में राहुल मीणा ने बताया था, कि जेल में रहने के दौरान उसकी दोस्ती भरतपुर निवासी मुनेन्द्र सिंह से हुई थी। मुनेन्द्र ने खुद को हथियार सप्लायर बताते हुए जेल से बाहर आने पर संपर्क करने को कहा था। बाद में राहुल भरतपुर गया, जहां मुनेन्द्र ने उसे एक देशी कट्टा और आठ कारतूस दिए थे। मामला दर्ज होने के बाद से मुनेन्द्र फरार था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए थानाधिकारी भंवर सिंह राठौड़ की अगुवाई में विशेष टीम गठित की गई। जिस पर पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी मानसरोवर की पत्रकार कॉलोनी स्थित आदिनाथ अपार्टमेंट के फ्लैट में है। पुलिस ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने राहुल मीणा को कट्टा और कारतूस देने की बात स्वीकार की है।

पुलिस के अनुसार मुनेन्द्र के खिलाफ भरतपुर, करौली, मानसरोवर जयपुर और जीआरपी अलवर में आर्म्स एक्टए चोरी और मारपीट के छह मामले दर्ज हैं। कार्रवाई करने वाली टीम में थानाधिकारी भंवर सिंह राठौड़, एसआई गिरधारी लाल, कांस्टेबल विजय कुमार, रविंद्र और सुनील कुमार शामिल रहे। कांस्टेबल विजय कुमार व रविंद्र की विशेष भूमिका रही।

बाबा रामदेव मंदिर में होंगे विभिन्न कार्यक्रम, फोल्डर का किया विमोचन

निसं

राजलदेसर (नवयत्न)। कस्बे के मालासी बास में स्थित बाबा रामदेव महाराज के मंदिर में भादवा दूज के पावन अवसर पर 13 सितंबर को विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन मुकेश श्रीमाल सुपुत्र स्व. विजय सिंह श्रीमाल के आर्थिक सौजन्य से किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर मंदिर परिसर में भक्तों की मौजूदगी में कार्यक्रम संबंधी फोल्डर का विमोचन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेव महाराज के जयकारे लगाए और आयोजन को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। मंदिर के पुजारी मोंटू पांडे ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा के दरबार में भादवा दूज के अवसर पर भव्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 13 सितंबर को शाम 7:30 बजे बाबा की भव्य आरती एवं ज्योत का आयोजन होगा। इसके पश्चात रात्रि 8 बजे श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मंदिर को आकर्षक रूप से सजाने के साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए भी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। भादवा दूज के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मंदिर पहुंचने की संभावना है।

आयोजन को लेकर भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर मुकेश श्री माल, टोनू पांडे, लालचंद पांडे, पन्नालाल नाई, जयप्रकाश पांडे, हरिप्रसाद पारीक, नंदलाल कच्छावा, राजकुमार विनायक, राधेश्याम, सरवन सैनी, मंगलचंद सहित मोहल्ले के व्यक्ति मौजूद रहे।

गणेश चतुर्थी महोत्सव 11 सितम्बर से

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ के श्री सिद्धिविनायक गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। मंदिर पुजारी अणतराम काछवाल ने बताया कि गणेश चतुर्थी महोत्सव के अंतर्गत 11 सितम्बर शुक्रवार को रुद्राभिषेक, 12 सितम्बर शनिवार को प्रात: दुग्ध अभिषेक, 13 सितंबर रविवार को प्रात: सिद्धिविनायक का पंचामृत अभिषेक किया जाएगा तथा 14 सितंबर सोमवार को गणेश चतुर्थी को प्रात: सहस्त्रार्चन, दोपहर गणेश जन्म उत्सव आरती तथा सांय 5:30 बजे से गणेश भगवान की शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा के पश्चात रात्रि विराट भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रसिद्ध भजन गायकार संत रोशन नाथ महाराज, सुरेन्द्र जोशी द्वारा मनभावक भजनों की प्रस्तुति देंगे। महोत्सव तैयारियों को कृष्णकांत काछवाल, राधाकृष्ण पीपलवा, पंकज पीपलवा, आकाश बसीर, लक्ष्मण स्वामी सहित आयोजन समिति के अनेक कार्यकर्ता तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगे हुवे है।

सुजानगढ़ के 60 वार्डों के लिए शांतिपूर्वक मतदान हुआ सम्पन्न

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। नगरपरिषद के 60 वार्डों के लिए मतदान शांतिपूर्वक सम्पन्न हो गया। कई बूथों पर सुबह से ही महिला मतदाताओं की कतारें भी लगी हुई नजर आई हैं। लोग उत्साह के साथ 215 पार्षद प्रत्याशियों के लिए मतदान करने के लिए पहुंचे। नगरपरिषद क्षेत्र में कुल 89 मतदान बूथ बनाए गए हैं, जिनमें से 9 बूथों को संवेदनशील बूथों की श्रेणी में रखा गया, जिन पर अतिरिक्त पुलिस जाप्ता तैनात रहेगा। शहर की सरकार चुनने के लिए कुल 81814 मतदाता कों को मताधिकार का प्रयोग करना था और सुबह-सुबह मतदान का रफ्तार अच्छी रही। यूं चली मतदान की रफ्तार सुबह दस बजे तक 21.83 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 11 बजे तक बढ़कर 30.09 प्रतिशत हो गया। दोपहर में मतदान का प्रतिशत बढ़कर 1 बजे तक 41.40 प्रतिशत हो गया। इसी प्रकार 3 बजे तक मतदान का प्रतिशत 57.12 प्रतिशत रहा। वहीं शाम को 6 बजे तक 68.91 प्रतिशत मतदान हुआ। लोगो का मतदान का प्रति रूझान देखने को मिला और प्रत्याशी मतदान केंद्रो के बाहर खड़े-खड़े मतदाताओं के सामने हाथ जोड़कर अभिवादन करते हुए देखे गए।

वार्ड 55 में आरएलपी ने लगाए फर्जी मतदान के आरोप

भोजलाई रोड़ स्थित वार्ड न. 55 के पोलिंग बूथ के बाहर दोपहर बाद उस वक्त हंगामा हो गया जब आरएलपी नेता डॉ. अमृता चैधरी ने भाजपा प्रत्याशी पर फर्जी वोटिंग करवाने के आरोप लगाए। अमृता चैधरी के नेतृत्व में अनेक लोग मतदान केंद्र के बाहर बैठ गए और नारेबाजी, प्रदर्शन करने लगे। अमृता चैधरी ने बताया कि केवल भाजपा के प्रत्याशी को बार.बार बूथ में आने जाने दिया जा रहा है। बाकी चारों प्रत्याशियो को अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। उन्होने भाजपा प्रत्याशी पर फर्जी वोटिंग, शराब बांटने के आरोप लगाए।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल भी मतदान केंद्र पर मौजूद रहा। मतदान केंद्र के अंदर जाकर देखने पर मतदान शांतिपूर्वक चलता हुआ पाया गया। आरओ सिकन्दर हुसैन से बात करने पर उन्होंने बताया कि फर्जी वोटिंग के आरोप निराधार हैं और सभी पोलिंग एजेंट अंदर बैठे हुए हैं, ये कैसे संभव है। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने किसी भी प्रत्याशी को मतदान केंद्र के अंदर जाने और बाहर जाने के लिए मना नहीं किया है। दूसरी ओर मतदान केंद्र के अंदर 4 पोलिंग एजेंट मिलेए चारों ने एक सुर में फर्जी वोटिंग की बात से साफसाफ इंकार कर दिया। वहीं इस बारे में भाजपा नेता और वार्ड न. 55 के प्रत्याशी गणेश मंडावरिया से बात करने पर उन्होने फर्जी वोटिंग के आरोपों को झूठा बताया। भाजपा प्रत्याशी गणेश मंडावरिया ने कहा कि सभी 5 प्रत्याशियों के पोलिंग एजेंट बूथ के अंदर बैठे हैंए ये संभव ही नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों को अपनी पार्टी के बड़े नेताओं को खुश करना है, इसलिए ये हंगामा कर रहे हैं। बाकी मुझे लगता है कि प्रदर्शन करने वाले लोगों को जनता का रूझान पता चल गयाए इसलिए वो अब स्टंटबाजी कर रहे हैं।

वार्ड 39 में डेढ़ घंटे तक मतदान रहा बाधित

मतदाताओं को निराश करने वाली खबर वार्ड नंबर 39 से सामने आई। यहां पर अंबेडकर भवन के बूथ पर तीन बार ईवीएम खराब हो जाने से मतदाताओं में गुस्सा देखा गया। किशोरदास स्वामी ने बताया कि मशीन बार.बार खराब हो रही, लेकिन इसे समय पर क्यों नहीं बदला गया। अभ्यर्थी अरविंद विश्नेंद्रा ने बताया कि यह मुझे परिणाम को प्रभावित करने की साजिश लगती है। चुनाव आयोग को इसके कारण जनता को बताने चाहिए। वहीं डेढ़ घंटे तक मतदान बाधित रहा और पौने 1 बजे नई इवीएम आने के बाद फिर मतदान शुरू हुआ। मौके पर एडिशनल एसपी पवन कुमार सहित पुलिस जाप्ता तैनात रहा।

104 वर्ष की बुजुर्ग महिला ने किया मतदान

सुजानगढ़ नगर परिषद चुनाव में वार्ड नंबर 15 से 104 वर्ष की रतनी देवी पत्नी डूंगरमल जाट, निवासी नया बास सुजानगढ़ ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर मतदान को उत्सव के रूप में मनाया। उन्होने अपने पोते की बहू के साथ बीएलओ अंकित के सहयोग से व्हीलचेयर पर मतदान केंद्र तक जाकर मतदान किया। यह उन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी रहाए जो मतदान करने में आलस्य दिखाते हैं।

मास्टर भंवरलाल कॉलेज में शाम को हुए ईवीएम जमा

इस बार जाजोदिया स्कूल के स्थान पर मतदान दलों के रवाना होने तथा मतपेटियों के संग्रहण केंद्र के रूप में सालासर रोढ़ स्थित मास्टर भंवरलाल मेघवाल राजकीय कन्या महाविद्यालय रखा गया है। शाम को पोलिंग खत्म होने के साथ ही मतदान दल इसी महाविद्यालय परिसर में पहुंचकर मशीनें जमा करवाने लगे। जिसके चलते काफी भीड़ यहां पर नजर आई। पुलिस प्रशासन की चाक चैबंद व्यवस्थाएं यहां पर नजर आई।

सीआईडी ने जयपुर में प्राचीन सोने की मूर्ति का झांसा देकर ठगी करने वाला दबोचा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी जयपुर के गलता गेट थाना क्षेत्र में सीआईडी सीबी और पुलिस की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन भगवान विष्णु के तहत कार्रवाई करते हुए भगवान की प्राचीन दुर्लभ मूर्ति को सोने की बताकर बेचने की कोशिश करने वाले एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 21 इंच लंबा अष्टधातु का विग्रह बरामद किए हैं। समय रहते की गई इस कार्रवाई से दोनों धर्मों के लोगों के बीच सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास विफल हो गया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि सीआईडी-सीबी की स्पेशल टीम के सहायक उपनिरीक्षक दुष्यन्त सिंह और हेड कांस्टेबल शाहिद अली को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कार्रवाई की शुरुआत करीब 15 दिन पूर्व हुई, जब सीआईडी सीबी के हेड कांस्टेबल शाहिद अली को गुप्त मुखबिर से सूचना मिली थी कि शहजाद

नामक व्यक्ति के पास एक पुरानी सोने की मूर्ति उपलब्ध है, और वह उसे बेचने की कोशिश कर रहा है। सूचना को विकसित करने के बाद टीम ने आरोपी की पहचान और गतिविधियों पर नजर रखी। इसके बाद दोनों पुलिसकर्मियों ने बोगस ग्राहक बनकर आरोपी से संपर्क किया। आरोपियों ने शुरुआत में मूर्ति की कीमत 10 लाख रुपये मांगी, लेकिन बोगस ग्राहक बने शाहिद अली से मोलभाव के बाद सौदा 3,10,000 रुपये नगद में तय हुआ। इसके बाद गलतागेट थाना क्षेत्र में आरोपी से सौदेकी रकम 3 लाख 10 हजार रुपये भी सौंप दी गई। उक्त रकम में ऊपर नीचे के दोनों असली थे, बाकी सभी नोट भारतीय मनोरंजन बैंक के थे। जिसे बाद में थाना पुलिस ने आरोपी के पास से बरामद कर लिए। मूर्ति को देखने पर उसके सोने की नहीं होने का संदेह स्पष्ट हुआ। इसके बाद टीम ने तत्काल आरोपी को मौके पर ही दस्तयाब कर लिया। संबंधित पुलिस उपायुक्त उत्तर करण शर्मा के समन्वय से गलतागेट थानाधिकारी धर्मेन्द्र शर्मा को सूचना दी गई। गलतागेट थाना पुलिस के जाप्ते की मदद से सूरजपोल अनाज मंडी के सामने आरोपी अब्दुल समद निवासी सलेमपुर, करौली को पकड़कर गिरफ्तार करवाया गया और आगे की कार्रवाई के लिए थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पूछताछ में अब्दुल कादिर ने बताया कि सौदा पक्का होने के बाद मंगलवार 8 सितंबर की रात शहजाद के कहने पर अब्दुल समद ने अब्दुल कादिर को मूर्ति की डिलीवरी देने जयपुर भेजा और इस काम के बदले उसे 10,000 रुपये मिलने थे।

बरामद भगवान की मूर्ति को पुरातत्व विभाग के विशेषज्ञों से परीक्षण कराया जाएगा। परीक्षण के बाद यह स्पष्ट होगा कि मूर्ति कितनी पुरानी है, किस धातु की बनी है और इसका कोई ऐतिहासिक अथवा पुरातात्विक महत्व है या नहीं।

पुलिस अब आरोपी से पूछताछ के आधार पर यह भी पता लगाने का प्रयास करेगी कि मूर्ति उसे कहां से मिली और क्या इसके पीछे कोई बड़ा गिरोह या नेटवर्क सक्रिय है। साथ ही मूर्ति की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जाएगी। इस सम्पूर्ण कार्रवाई में सीआईडी सीबी के उप निरीक्षक शैलेन्द्र शर्मा कुशल नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक दुष्यन्त सिंह और हेड कांस्टेबल शाहिद अली की विशेष भूमिका रही। हेड कांस्टेबल बृजेश कुमार, कृष्ण गोपाल और कुलदीप सिंह का भी सराहनीय योगदान रहा। गलतागेट थाना पुलिस की ओर से थानाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, सहायक उपनिरीक्षक बलबीर सिंह, हेड कांस्टेबल प्रदीप, कांस्टेबल विजय और राजू सिंह ने सहयोग किया।

पालतु गाय को पिकअप में डालने पर मचा बवाल

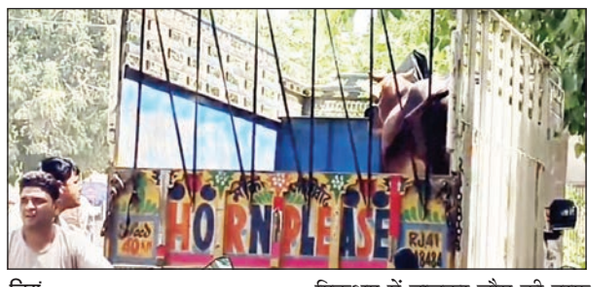

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ की स्थानीय सब्जी मंडी में विचरण करने वाली एक पालतु गाय को चौमूं से सब्जी लाने वाले एक पिकअप चालक ने एक सब्जी व्यापारी से पूछकर पिकअप में डालकर ले गया।

जैसे ही वह पिकअप पोस्ट ऑफिस के पास पहुंची, तो गाय के मालिक एवं अन्य लोग पिकअप चालक को रोक लिया तथा बवाल मच गया। गाय के मालिक नागरमल प्रजापत निवासी वार्ड संख्या 15 ने बताया कि उसकी दुधारू गाय का सुबह दूध निकालकर उसे थोड़ी देर के लिए खोला था, कि इसी दौरान पिकअप चालक ने उस गाय को किसी एक सब्जी व्यापारी के कहने से पिकअप में डालकर चौमू की तरफ लेकर जा रहा था, कि इसी दौरान गाय मालिक के परिवार के एक लड़के ने घटना को देख लिया, जिस उसने परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे तथा पोस्ट ऑफिस के पास पिकअप को रोक लिया। गाय मालिक का कहना है, कि उसकी दो गाय पूर्व में भी इसी तरह गायब हो गई थी। घटना के बाद मौके पर बवाल मच गया तथा पिकअप चालक गाय को उतारने की बात कहने लगाए लेकिन गाय मालिक घटना को लेकर मामला दर्ज करवाने की बात कही। करीब 15 मिनट तक चले बवाल के बाद पुलिस को सूचना दीए जिस पर हैड कांस्टेबल गणेश मय जाप्ता मौके पर पहुंचे तथा दोनों पक्षों को थाने लेकर आ गए, जहां पर समझाइश के बाद मामला निपट गया।

निकाय चुनाव के दूसरे चरण का प्रचार थमा

अब 11 सितम्बर को मतदान

निसं

जयपुर (नवयत्न)। नगरीय निकाय चुनाव के दूसरे चरण का चुनावी प्रचार बुधवार शाम 6 बजे थम गया। इसके साथ ही प्रत्याशी और राजनीतिक दल अब सार्वजनिक रूप से प्रचार नहीं कर सकेंगे। जनसभा, जुलूस, लाउडस्पीकर, रोड शो और खुले तौर पर मतदाताओं से वोट मांगने पर रोक रहेगी।

अब चुनावी गतिविधियां मतदान प्रबंधन, बूथ संपर्क और मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने तक सीमित रहेंगी। दूसरे चरण में 6 नगर निगम, 20 नगर परिषद और 121 नगर पालिकाओं में मतदान होगा। इन निकायों में 11 सितम्बर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक वोट डाले जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने बताया कि प्रचार समाप्त होने के बाद सार्वजनिक सभा, जुलूस, रोड शो और लाउडस्पीकर जैसी गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी। चुनाव कार्यक्रम जारी होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू है। जिला निर्वाचन अधिकारियों को इसका सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

घर-घर संपर्क की अनुमति

प्रत्याशी मतदाताओं से व्यक्तिगत रूप से घर-घर संपर्क कर सकेंगे, लेकिन इसे सार्वजनिक प्रचार या सभा का रूप नहीं दिया जा सकेगा। सोशल मीडिया पर भी चुनाव प्रचार से संबंधित गतिविधियों में निर्वाचन नियमों और आदर्श आचार संहिता का पालन करना होगा।

मतदान क्षेत्रों में सूखा दिवस

दूसरे चरण के मतदान को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था कड़ी कर दी है। मतदान वाले निकाय क्षेत्रों में सूखा दिवस रहेगा और शराब की बिक्री पर रोक होगी।

प्रचार समाप्त होने के बाद बाहरी नेताओं और ऐसे राजनीतिक कार्यकर्ताओं की गतिविधियों पर भी नजर रखी जाएगी, जो संबंधित क्षेत्र के मतदाता नहीं हैं, और प्रचार में सक्रिय रहे हैं। इसका उद्देश्य मतदान से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर रोक लगाना है।

54 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात होंगे

राज्य निर्वाचन आयुक्त के अनुसार दूसरे चरण में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। करीब 54,533 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती प्रस्तावित है। इनमें आरएसी की 57 कंपनियां तथा त्वरित कार्रवाई दल क्यूआरटी जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। संवेदनशील और अति संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त निगरानी के साथ सुरक्षा बल तैनात रहेगा।

दांता नगरपालिका के 25 वार्डों में 77.25 प्रतिशत मतदान, 109 प्रत्याशियों का भविष्य ईवीएम में बंद

निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। राजस्थान नगरीय निकाय चुनाव 2026 के प्रथम चरण के तहत बुधवार को दांता नगरपालिका के 25 वार्डों में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। शहर की सरकार चुनने के लिए मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। शाम 6 बजे तक कुल 15988 मतदाताओं में से 12350 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कियाए जिससे मतदान प्रतिशत 77.25 प्रतिशत रहा। दांता नगरपालिका के 25 वार्डों में कुल 11 मतदान केंद्रों के 25 बूथों पर सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ। मतदान के दौरान विभिन्न केंद्रों पर मतदाताओं की कतारें नजर आई। युवा, महिला एवं बुजुर्ग मतदाता भी उत्साह के साथ मतदान केंद्रों तक पहुंचे।

109 प्रत्याशियों का भविष्य ईवीएम में बंद

25 वार्डों में चुनाव मैदान में उतरे 109 प्रत्याशियों का राजनीतिक भविष्य अब ईवीएम में बंद हो गया है। मतदान समाप्त होने के बाद प्रत्याशियों एवं उनके समर्थकों ने अपने-अपने पक्ष में मतदान होने का दावा करते हुए जीत के समीकरण लगाने शुरू कर दिए हैं। अब सभी की निगाहें चुनाव परिणाम पर टिकी हैं।

14 सितंबर को खुलेगा प्रत्याशियों के भाग्य का पिटारा

मतदान के बाद अब 14 सितंबर को चुनाव परिणाम का इंतजार रहेगा। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दांता में मतगणना होगी। मतगणना के दिन ईवीएम खुलने के साथ ही यह स्पष्ट हो जाएगा कि दांता नगरपालिका के 25 वार्डों में मतदाताओं ने किसे अपना प्रतिनिधि चुना है। परिणाम को लेकर प्रत्याशियों और समर्थकों में उत्सुकता बढ़ गई है।

सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

मतदान को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन एवं पुलिस की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मतदान केंद्रों पर पुलिस जाब्ता तैनात रहा तथा अधिकारियों ने मतदान प्रक्रिया पर निगरानी रखी। पूरे दिन मतदान शांतिपूर्ण रहने से प्रशासन ने राहत की सांस ली।

मतदान के लिए गली-गली पहुंचेंगे जागरूकता संदेश वाहन

निसं

नोखा (नवयत्न)। नगर निकाय चुनाव को लेकर मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मतदान का अधिकार संदेश वाहनों को उपखंड अधिकारी प्रिया बजाज ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उपखंड प्रशासन, अणुव्रत समिति नोखा एवं रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस जागरूकता अभियान के माध्यम से 11 सितंबर को होने वाले नगर निकाय चुनाव में अधिक से अधिक मतदान करने का संदेश आमजन तक पहुंचाया जा रहा है। संदेश वाहन नोखा शहर के विभिन्न गली-मोहल्लों में घूमकर मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग

करने के लिए प्रेरित करेंगे। इस दौरान मतदान के महत्व, लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता की भूमिका तथा बिना किसी दबाव के निर्भीक होकर मतदान करने का संदेश दिया जा रहा है। अभियान के तहत बुधवार एवं गुरुवार को संदेश वाहन शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करेंगे। कार्यक्रम के दौरान तहसीलदार सुनीता चारण एवं उपकोष अधिकारी रमेश कुमार व्यास सहित संबंधित अधिकारी एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्वच्छ अभियान के वाहनों के माध्यम से आकर्षक एवं प्रभावी तरीके से स्वीप कार्यक्रम के संदेश आमजन तक पहुंचाने के प्रयास की सराहना की तथा जागरूकता अभियान में सहयोग देने वाले सभी संस्थाओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि 11 सितंबर को अपने मतदान केंद्र पर पहुंचकर लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें और अपने मताधिकार का अवश्य प्रयोग करें।

ये पिलाटेस एक्सरसाइज घर पर करें और फ्लेक्सिबल बॉडी पाएं

पिछले कुछ सालों से फिट रहने के लिए पिलाटेस को सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है। यहां तक कि फेमस बॉलीवुड एक्ट्रेसेस जैसे कैटरीना कैफ, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण आदि भी खुद को फिट रखने के लिए पिलाटेस एक्सरसाइज करती हैं। इसकी शुरुआत 20वीं सदी में जोसेफ पिलाटेस ने की थी। इसलिए इसे पिलाटेस के नाम जाना जाता है। रोजाना पिलाटेस करके आप शरीर को फ्लेक्सिबल और मजबूत बना सकते हैं। इससे वजन भी तेजी से कम होता है।

रोल अप एक्सरसाइज

- इसे करने के लिए पीठ के बल जमीन पर लेट जाएं।
- बाजुओं को ऊपर की ओर फैला लें।
- सांस लें और सांस को छोड़ते हुए सिर, गर्दन और कंधों को जमीन से ऊपर उठाएं।
- अब हाथों से पैरों को छूने की कोशिश करें।
- इस एक्सरसाइज को करते हुए मेन मसल्स को शामिल करें।

मरमेड स्ट्रेच

- मरमेड स्ट्रेच शरीर को फ्लेक्सिबिल बनाता है और कोर को मजबूत बनाता है।
- इसे करने के लिए साइड करवट से बैठ जाएं।
- दाएं घुटने को मोड़ें और बाएं को उसके ऊपर रखें।
- फिर दाएं हाथ की मदद से शरीर को ऊपर उठाएं।
- बाएं हाथ को सिर के पीछे स्ट्रेच करें।
- फिर सीधे नॉर्मल पोजिशन में वापस आ जाएं।

सॉ मूवमेंट्स

- इसके लिए पीठ को सीधा करके और पैरों को सामने की ओर फैलाकर बैठ जाएं।
- अब बाएं हाथ से दाएं पैर को छूने की कोशिश करें।
- ऐसा करते हुए आपका बायां हाथ पीछे की ओर होना चाहिए।
- फिर दूसरे हाथ से एक्सरसाइज को दोहराएं।

स्वान स्ट्रेच

- स्वान स्ट्रेच पीठ की मसल्स को मजबूत करता है और पोश्चर में सुधार करता है।
- पीठ के बल लेट जाएं।
- हाथों को सामने की ओर स्ट्रेच करें।
- अब हाथों की मदद से शरीर को ऊपर की ओर उठाएं।
- फिर नीचे आकर माथे को जमीन पर लगाएं।
- इस एक्सरसाइज को कई बार दोहराएं।

रोलिंग लाइक बॉल

- एक्सरसाइज करने से रीढ़ की हड्डी की मालिश होती है, बैलेंस में सुधार होता है और कोर एक्टिव होता है।
- इसे करने के लिए पीठ को सीधा करके जमीन पर बैठ जाएं।
- दोनों हाथों से पिंडलियों को पकड़ लें।
- रीढ़ की हड्डी को अपने सिर के साथ झुकाएं।
- अपनी चिन को थोड़ा नीचे करें।
- फिर बॉल की तरह बॉडी को रोल करें।
- इस एक्सरसाइज को कई बार करें।

वजन होगा तेजी से कम रोजाना खाएं यह मौसमी फल

सर्दियों की शुरुआत होने लगी है। धीरे-धीरे मौसम में बदलाव के साथ सर्दियां खा जाएंगी और कई मौसमी फल व सब्जियां आपको बाजार में दिखने लगेंगे। बदलते मौसम के साथ बाजार में आने वाली फल और सब्जियां, सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। यूं भी एक्सपर्ट्स मौसम के हिसाब से डाइट में बदलाव करने और मौसमी फल-सब्जियों को डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं। इस समय पर बाजार में एक फल आने लगता है, जिसमें कई गुण छिपे हैं। साथ ही, यह फल महिलाओं के लिए वरदान है और वेट लॉस में कारगर है।

वेट लॉस के लिए सिंघाड़ा

- सिंघाड़े में कैलोरीज और फैट बहुत कम होता है। अगर आप वेट लॉस की कोशिश कर रही हैं, या फिर हेल्दी डाइट फॉलो करना चाहती हैं, तो यह आपकी मदद कर सकता है।
- यह डाइटरी फाइबर का अच्छा सोर्स है। इससे डाइजेशन सुधरता है और पेट भरा हुआ लगता है। इसलिए वेट लॉस डाइट प्लान में एक्सपर्ट, सिंघाड़े को शामिल करने की सलाह देती हैं।
- सिंघाड़े में पोटिशयम, मैग्नीज, कॉपर, विटामिन बी6 जैसे न्यूट्रिएंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। इसलिए यह शरीर में कमजोरी भी नहीं होने देता है।
- सिंघाड़े में फाइबर अधिक होने की वजह से यह बाउल मूवमेंट को सुधारता है और आंतों की सेहत के लिए अच्छा होता है।
- सिंघाड़े में लगभग 74 प्रतिशत वॉटर कंटेट होता है, जिसकी वजह से यह हमारी शरीर के सभी फंक्शन्स में मदद करता है और बॉडी को हाइड्रेट रखता है।
- अगर आप लगभग 1 कप सिंघाड़ा खाती हैं, तो इससे शरीर को लगभग 90 कैलोरी ऊर्जा मिलती है। इसमें फैट बिल्कुल नहीं होता है और कार्ब्स लगभग 20 ग्राम व फाइबर लगभग 5-6 ग्राम होता है, जो डाइजेशन को मजूबत बनाता है।
- इसमें मौजूद फाइबर की वजह से यह ब्लड प्रेशर और हार्ट फंक्शन के लिए भी फायदमंद है।
- सिंघाड़े का ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी बहुत कम होता है, जिसकी वजह से यह ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करने के लिए भी अच्छा होता है।
- सिंघाड़े की तासीर ठंडी होती है। आयुर्वेद के अनुसार, पित्त दोष की अधिकता होने पर यह फायदेमंद होता है और मोटापा भी कम करता है।

वेट लॉस के लिए सिंघाड़ा कैसे खाएं?

- सिंघाड़े को आप इस मौसम में रोज खा सकती हैं।
- सिंघाड़े का आटा भी वेट लॉस के लिए अच्छा होता है।
- इसकी तासीर ठंडी होती है, इसलिए इसे दिन में खाना ज्यादा अच्छा होता है।

पैरेंट्स बच्चों से जरूर करवाएं ये खास काम

बनेंगे सेल्फ डिपेंडेंट और दूर होंगी उनकी मुश्किलें

90 के दशक के बच्चों की परवरिश और आज के बच्चों की परवरिश में बहुत अंतर आ चुका है। सबसे बड़ा अंतर है कि आजकल के बच्चों के हाथों में बचपन से ही पेरेंट्स मोबाइल फोन थमा देते हैं, जिसके कारण वह ज्यादा चीजों को सीखने में रुचि नहीं रखते और हर वक्त मोबाइल में बिजी रहते हैं। वर्किंग पेरेंट्स अपने बच्चों के साथ ज्यादा समय भी नहीं बिता पाते हैं और इसका असर बच्चों के विकास पर भी पड़ता है। बच्चे हर बात का जवाब अपने मोबाइल में ढूंढने लगे हैं, ऐसे में कुछ बच्चों में आत्मनिर्भरता का अभाव भी देखने को मिलता है।

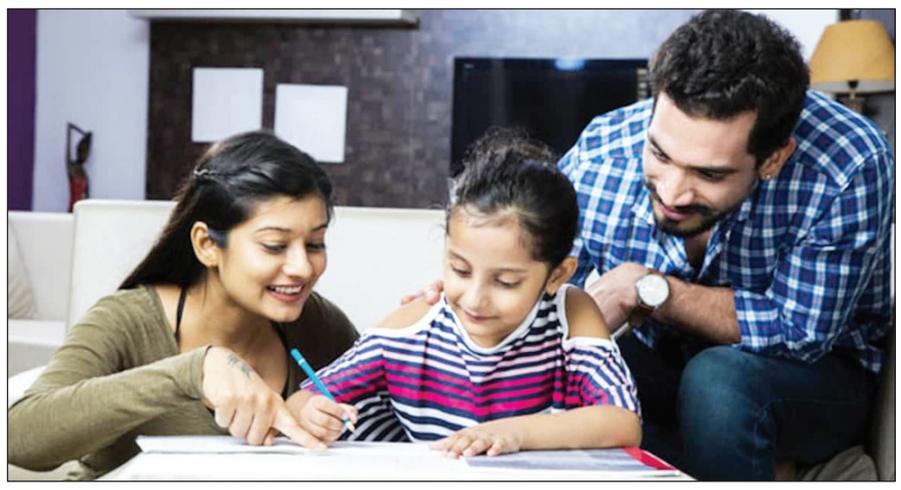

कपड़ों को अलमारी में रखना

बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सबसे पहले तो उसे अपने कपड़ों को ठीक से तय करके रखना सिखाएं। अगर आपका बच्चा कपड़े उतारकर इधर-उधर फेंकता है तो उसे सिखाएं कि ये गलत है और बताएं कि कपड़ों को कहां रखना है। इसके साथ ही बच्चे को सिखाएं कि उसे अपने साफ कपड़ों को अलमारी में कैसे लगाकर रखना है। जब बच्चा अपने कपड़ों को अलमारी में अच्छे से रखे तो उसकी तारीफ करें। तारीफ सुनने से बच्चे का हौसला बढ़ेगा और वह अपने काम को और परफेक्ट करने की कोशिश भी करेगा।

परिवार के साथ खाना

बच्चे मोबाइल में इतने बिजी हो चुके हैं कि वह मोबाइल यूज करते हुए खाना खाते हैं, अगर आपका बच्चा भी ऐसा करता है तो उसकी इस आदत को छुड़वाने के लिए आप उससे टेबल पर खाना सेट करवाइए और परिवार के साथ बैठकर खाना खाने के लिए बोलिए। जब बच्चा अपने परिवार के साथ खाना खाएगा तो वह सब से कुछ न कुछ सीखेगा। बचपन से जब आपके बच्चे की सबके साथ खाना खाने की आदत लगेगी तो वह आगे भी इसे फॉलो करेगा।

स्कूल के लिए तैयार होना

बच्चे जब स्कूल के लिए तैयार होते हैं तो ड्रेस से लेकर जूते तक उनके पेरेंट्स पहनाते हैं। ऐसे में बच्चे को सेल्फ डिपेंडेंट बनाने के लिए आप उसे खुद से तैयार होना सिखाएं और रात में ही सुबह स्कूल जाने के लिए

जरूरी चीजें, जैसे- कपड़े, जूते और बैग को लगाकर रखना सिखाएं।

गार्डनिंग करना

पेड़-पौधे हमारे लिए कितने जरूरी हैं ये बात हर कोई जानता है, जिस तेजी से प्रदूषण बढ़ रहा है उस तेजी से पेड़ नहीं लगाए जा रहे। ऐसे में आप अपने बच्चे को बचपन से गार्डनिंग करना सिखाइए। उससे पौधों में रोजाना पानी डलवाइए और उसे समझाइए कि पौधों की देखभाल कैसे करनी है।

कमरे की सफाई

आप अपने बच्चे को सिखाइए कि उसे अपने कमरे में चीजों को कैसे मैनेज करना है। बच्चे को सिखाएं कि अगर किसी खिलौने को खेलने के लिए वह उठाए तो बाद में इधर-उधर न रखे बल्कि खिलौने को उसी जगह पर रखे जहां से उठाया है। ऐसा ही वह अपनी कॉपी और किताबों के साथ भी करें। बचपन से जब बच्चे की आदत ऐसी होगी तो वह बड़े होकर भी अपने कमरे को अच्छे से मैनेज कर के रखेगा।

अपने शब्दों का चयन सावधानी से करें

जिस तरह से माता-पिता अपने बच्चों से बात करते हैं, उसका बच्चे के आत्मसम्मान पर गहरा और स्थायी प्रभाव पड़ता है। इसलिए ये ध्यान रखना जरूरी है कि आप अपने बच्चे से कैसे बात करते हैं। जब आपका बच्चा किसी नई चुनौती का सामना करता है तो क्या आप अपने बच्चे का प्रोत्साहन बढ़ाते है? जिन चीजों में आपका बच्चा अच्छा है क्या आप उन्हें उन चीजों को पॉइंट आउट करके तारीफ करते हैं? अगर आपका जवाब ना है तो आपको इसमें बदलाव लाना होगा। आपको उन शब्दों के उपयोग से भी बचना चाहिए जिनके नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। जैसे, अगर आपका बच्चा होमवर्क करना भूल गया है तो उसपर चिल्लाने के बजाए उससे पूछें कि क्या हुआ, उसे अपनी परेशानी बताने का मौका दें।

निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करें

आप अपने बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय लेने में सक्षम बना सकते हैं। जैसे कि नाश्ते में क्या खाना चाहिए, कौन सा खेल खेलना है या कौन सी फिल्म देखनी है, आदि। ऐसे छोटे-छोटे निर्णय लेने से आपके बच्चे का सेल्फ कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

स्वतंत्रता पर जोर दें

अपने बच्चे को उम्र-उपयुक्त जिम्मेदारियां सौंपे। शुरुआत में छोटी उम्र में उसे जूते की लेस बांधना, यूनिफॉर्म पहनना और बैकपैक करने जैसी छोटी-छोटी चीजें सिखाएं। ऐसा करने से आपके बच्चे में बचपन से ही आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ेगी। जैसे-जैसे आपका बच्चा बड़ा होगा, उसकी जिम्मेदारी भी उसी हिसाब से बढ़ाएं। जैसे कपड़ों और जूतों की सफाई और नाखून काटने जैसी चीजें।

शेविंग करने के बाद पुरुष स्किन की देखभाल करने के लिए अपनाएं ये टिप्स, स्किन बनेगी मुलायम

कुछ पुरुष बियर्ड लुक पसंद करते हैं, तो कुछ को क्लीन शेव रखना पसंद होता है। ऐसे में, जो पुरुष क्लीन शेव रखते हैं, उन्हें जल्दी-जल्दी शेव करना पड़ता है। जल्दी शेव करने से अधिकतर पुरुषों की स्किन खुरदुरी होने के साथ ड्राई भी हो जाती हैं। शेविंग क्रीम और रेजर के नियमित इस्तेमाल से त्वचा छील जाती है। इस कारण कई बार स्किन पर इरिटेशन भी बढ़ जाती है। बहुत से पुरुषों को शेविंग के बाद दानों की समस्या भी हो जाती है। नियमित शेव करने से त्वचा काफी डल भी नजर आती है और चेहरे काफी बुझा सा लगता है। ऐसे में पुरुषों को शेविंग करने के बाद स्किन की खास देखभाल करने की जरूरत होती है। आइए जानते हैं ऐसी टिप्स के बारे में, जो शेविंग करने के बाद पुरुषों के स्किन की देखभाल करने में मदद करेगी। जिससे स्किन मुलायम बनेगी और ड्राईनेस से भी छुटकारा मिलेगा।

शहद

शेविंग करने के बाद पुरुष स्किन की देखभाल करने के लिए शहद से भी मसाज कर सकते हैं। शहद में मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण जलन को दूर करने के साथ ड्राईनेस को भी दूर करते हैं। इसका इस्तेमाल करने के लिए शेविंग करने के बाद शहद को हाथ में ले कर हल्के हाथ से 2 से 3 मिनटतक मसाज करें। शहद में गुलाब जल को भी मिलाया जा सकता है।

फेस स्क्रब

शेविगं के बाद पुरुष स्किन की देखभाल करने के लिए फेस स्क्रब भी कर सकते हैं। फेस स्क्रब करने से छिद्रों को गहराई से सफाई होगी और स्किन मुलायम बनेगी। स्क्रब करने से त्वचा ग्लोइंग भी बनती है। पुरुष स्क्रब करने के लिए अखरोट, नमक या चावल के स्क्रब का उपयोग कर सकते हैं।

फेस पैक

नियमित शेविंग करने से त्वचा में रूखापन होने के साथ त्वचा काफी डल भी हो सकती है। इस समस्या को कम करने के लिए मॉइस्चराइजिंग फेस पैक या शीट मास्क का भी इस्तेमाल किया जा सकता हैं। इससे त्वचा को पोषण मिलेगा और त्वचा मुलायम बनेगी।

ड्राई शेवर्स के इस्तेमाल से बचें

बहुत से पुरुष शेविंग करने के लिए ड्राई शेवर्स का इस्तेमाल करते हैं, जो स्किन को नुकसान पहुंचाने के साथ त्वचा को ड्राई बनाते हैं। ड्राई शेवर्स त्वचा में जलन पैदा कर सकता है। शेविंग करने के लिए पुरुष मल्टीपल ब्लेड वाला रेजर चुनें। ऐसा करने से त्वचा संबंधी समस्याएं कम होगी।

एलोवेरा

पुरुष शेविंग करने के बाद त्वचा की जलन कम करने के लिए एलोवेरा का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। एलोवेरा स्किन को हेल्दी रखने के साथ ड्राईनेस को दूर करता है। इससे नियमित रूप से मसाज करने से त्वचा ग्लोइंग भी बनती है। एलोवेरा शेविंग के बाद दानों की समस्या से भी राहत देता है।

दही में मिलाकर खा लीजिए ये चीज दूर हो जाएगी हेयर फॉल की समस्या

हेयर फॉल एक यूनिवर्सल प्रॉब्लम है इससे अनेक लोग गुजरते हैं। इसके कारण बाल पतले और बहुत ज्यादा हल्के हो जाते हैं। खासकर महिलाओं को इससे बड़ी समस्या हो जाती है। कई बार तो हेयरफॉल इस कदर होता है कि घर में हर जगह बाल ही बाल दिखाई देता है इस समस्या को दूर करने के लिए लोग ना जाने क्या कुछ करते हैं। कोई हेयर ट्रीटमेंट लेता है, तो कोई शैंपू बदलता है। कुछ लोग तो सप्लीमेंट्स भी लेते हैं। लेकिन बावजूद इसके बालों का झड़ना नहीं रुकता है।

क्या दही और अलसी से हेयर फॉल कम होता है : दही और अलसी का सेवन करने से आपकी हेयर फॉल की समस्या दूर हो सकती है। अलसी यानी की फ्लैक्सीड से आपको ओमेगा 3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट मिलेगा। वहीं दही से प्रोटीन और प्रोबायोटिक मिलेंगे। यह दोनों कॉबिनेशन आपके फैट सॉल्युबल विटामिन को अब्जॉर्ब करने में मदद करेंगे, जो आपकी रूट को नरिश करते हैं। यह आपका हेयर फॉल काम करने में मदद कर

सकते हैं। इससे बालों के समग्र स्वास्थ्य में मदद मिल सकती है। संभावित रूप से बालों की बनावट और मजबूती में सुधार होती है। इस कांबिनेशन को ब्रेकफास्ट या लंच में से किसी एक वक्त सेवन कर सकते हैं।

क्या है दही और अलसी खाने का तरीका?

- अलसी को सबसे पहले रोस्ट कर लें।
- अब इसे ग्राइंडर में क्रश करके पाउडर बना लें।
- अब एक कप में दही लें और इसमें एक चम्मच अलसी का पाउडर मिलाकर मिक्स कर लें।
- अब आप इसका सेवन करें।
- हर रोज आप इसे अपने डाइट का हिस्सा बनाएंगे तो फायदा मिलना मुमकिन है।

ज्यादा मात्रा में खट्टी चीजें खाने से सेहत को हो सकते हैं ये गंभीर नुकसान

खट्टा खाना कई लोगों को बहुत पसंद होता है। बहुत से लोग किसी न किसी बहाने से खट्टी चीजों का सेवन करते रहते हैं। लेकिन आपको बता दें, ज्यादा मात्रा में खट्टी चीजों के सेवन से शरीर को नुकसान होने के साथ कई तरह की समस्याएं भी हो सकती हैं। बहुत से लोग तेजी से वजन घटाने के लिए ज्यादा मात्रा में नींबू पानी पीते हैं, तो बहुत से लोग खाने के साथ अचार खाना पसंद करते हैं। इन चीजों के सेवन से कई बार पाचन-तंत्र खराब होने के साथ पेट में जलन भी महसूस होती है। ज्यादा मात्रा में खट्टी चीजों के सेवन से यूटीआई की समस्या भी बढ़ सकती है। लोग अचार, नींबू के साथ कई बार इमली, आंवला, दही, खटाई चीजों का सेवन कर लेते है, जो शरीर में कई बीमारियों के चांसेज को बढ़ाती हैं। ज्यादा मात्रा में खट्टी चीज खाने से शरीर को क्या नुकसान हो सकते हैं।

दांतो में समस्या

खट्टी चीजों के ज्यादा सेवन से दांतों से जुड़ी समस्या भी हो सकती है। इन चीजों के सेवन से दांतों में झनझनाहट के साथ दर्द की समस्या भी बढ़ सकती है। ऐसे में अगर आपको दांत से जुडी समस्या से जूझ रहे हैं, तो खट्टी चीजों के सेवन से बचें।

शरीर में जलन

खट्टी चीजों के ज्यादा सेवन से शरीर में जलन का अनुभव होता है। यह चीजें शरीर में जलन के साथ छाती में कफ और खांसी को भी बढ़ा सकती हैं। खट्टी चीजों के सेवन से कई बार गले में दर्द और जलन की समस्या हो जाती है और कई बार टॉन्सिल होने का खतरा भी बढ़ता है।

गुड बैक्टीरिया को होता है नुकसान

पेट को हेल्दी रखने के लिए आंतो में गुड बैक्टीरिया पाए जाते हैं, लेकिन खट्टी चीजों के ज्यादा सेवन से यह कम होने के साथ शरीर को भी नुकसान होता है। इनके सेवन से शरीर का पीएच बैलेंस खराब होने के साथ आंतों संबंधित कई समस्याएं बढ़ती है।

शरीर में सूजन की समस्या

खट्टी चीजों के सेवन से शरीर में सूजन बढ़ने की समस्या हो सकती है। यह समस्या खासकर मौसम बदलने पर ज्यादा बढ़ सकती है। शरीर में सूजन की समस्या को कम करने के लिए खट्टी चीजों के सेवन से बचें।

ज्यादा नींबू लेना सेहत के लिए हो सकता है नुकसानदायक

नींबू को सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। नींबू विटामिन सी, पोटेशियम और फाइबर का अच्छा स्रोत हैं। इसलिए, जब नींबू को अपनी डेली डाइट में शामिल किया जाता है तो यह ना केवल इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाता है, बल्कि पाचन में सुधार करने में भी मदद कर सकते हैं। लेकिन नींबू से मिलने वाले पोषक तत्वों का असली लाभ तभी मिलता है, जब इसे सीमित मात्रा में लिया जाए। कुछ लोग दिनभर में कई बार नींबू का सेवन करते हैं, जिससे उन्हें फायदे की जगह कई नुकसान का सामना करना पड़ता है। आमतौर पर प्रति दिन 1-2 नींबू का सेवन करना सुरक्षित है। इससे अधिक नींबू आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

हो सकती है माइग्रेन की समस्या : अगर आपको पहले से ही सिर दर्द या माइग्रेन की शिकायत रहती है तो ऐसे में नींबू का अधिक सेवन करना आपके

लिए नुकसानदायक हो सकता है। खट्टे फल अक्सर माइग्रेन और सिरदर्द का कारण बनते हैं। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि नींबू टायरामाइन का उत्पादन करता है। यह एक प्राकृतिक मोनोमाइन है, जो अक्सर सिरदर्द का कारण बनता है। इसलिए, दिनभर में एक या दो नींबू से अधिक ना लें।

हो सकती हैं डाइजेस्टिव प्रॉब्लम्स : नींबू यूं तो डाइजेशन के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन इसका अधिक सेवन करना डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इसके लैक्सेटिव इफेक्ट के कारण आपको डायरिया की शिकायत हो सकती है या फिर अन्य डाइजेशन प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है।

एलर्जिक रिएक्शन : ऐसे भी कुछ लोग होते हैं, जिन्हें नींबू जैसे खट्टे फलों से एलर्जी हो सकती है। एलर्जी रिएक्शन होने पर उन्हें खुजली और पित्ती जैसे हल्के लक्षणों से लेकर एनाफिलेक्सिस जैसे गंभीर रिएक्शन तक हो सकते हैं। खासतौर से, जब आप अधिक मात्रा में इसका सेवन करते हैं तो समस्या बद से बदतर हो जाती है। इसलिए, ऐसे लोगों को नींबू या अन्य खट्टे फलों से दूर ही रहना चाहिए।

दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचना

नींबू का रस अम्लीय होता है, और एसिड के बार-बार संपर्क में आने से दांतों का इनेमल नष्ट हो सकता है। जब नींबू का सेवन अधिक मात्रा में किया जाता है, तब यह समस्या बढ़ सकती है। जिससे दांतों में सेंसेटिविटी, डिस्कलरेशन और दांतों में छेद होने का खतरा बढ़ जाता है। इस जोखिम को कम करने के लिए हमेशा एक स्ट्रॉ की मदद से नींबू पानी पीएं और बाद में सादे पानी से कुल्ला कर लें।

आयुर्वेद में गिलोय को माना जाता है अमृत

आयुर्वेद में कई सारे हर्ब्स को फायदेमंद माना जाता है। मेमोरी को बूस्ट करने से लेकर, स्ट्रेस को दूर करने तक इन आयुर्वेदिक हर्ब्स के कई फायदे हैं। ऐसा ही एक आयुर्वेदिक हर्ब है गिलोय। गिलोय को आयुर्वेद में अमृत कहा जाता है और इसके फायदे भी अमृत समान ही हैं। कोरोना के समय में भी इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए गिलोय का काफी इस्तेमाल किया जाने लगा था। गिलोय इम्यूनिटी को बूस्ट करता है, ब्रेन के लिए टॉनिक होता है, स्ट्रेस को कम करता है और मेमोरी को बूस्ट करता है।

गिलोय के फायदे : आयुर्वेद में गिलोय को बहुत उपयोगी माना जाता है। फीवर, डेंगू, चिकनगुनिया, वायरल फीवर, कफ, कोल्ड और डायबिटीज जैसी बीमारियों को दूर करने में यह फायदेमंद होता है। गिलोय पेट से जुड़ी दिक्कतों को भी दूर करता है। गिलोय में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी- बायोटिक, एंटी-एजिंग, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-वायरल, एंटी-डायबिटिक और एंटी-कैंसर गुण पाए जाते हैं। हालांकि इसे सभी खा सकते हैं और इसके कोई खास साइड-इफेक्ट्स नहीं होते हैं लेकिन फिर भी अगर आप गर्भवती हैं या कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो आपको एक बार डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

आयुर्वेद के अनुसार, कैसे खाना चाहिए गिलोय : गिलोय की पत्तियों और तने को रातभर भिगो दें। इसे क्रश करें फिर बॉइल करें। इसके बाद सुबह 1 गिलास पानी में इसे डालकर, आधा रह जाने तक उबालें। इसे छानकर पिएं। गिलोय की आप सूख पाउडर के तौर पर भी खा सकते हैं। इसके लिए आप इसे रातभर पानी में भिगोएं। सुबह इसे चौथाई रह जाने तक उबालें और फिर छानकर पिएं।

3477 में से 3207 गौशालाओं के अनुदान की वित्तीय स्वीकृति जारी

निसं

जयपुर (नवयत्न)। पशुपालन, गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार गोवंश संरक्षण एवं संवर्द्धन तथा गोशालाओं के कल्याण के लिए लगातार आवश्यक कदम उठा रही है। गोशालाओं के सुचारू संचालन के लिए विभाग की ओर से निर्धारित नियमों और प्रक्रिया के तहत अनुदान का भुगतान किया जा रहा है। कुमावत ने बताया कि सरकार ने दो चरणों में अनुदान राशि में क्रमशरू 10 और 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। इससे दो वर्षों में गोशालाओं के अनुदान में कुल 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दूसरे चरण में अनुदान के लिए प्रदेश की 3477 गोशालाओं ने आवेदन किया था। इनमें से 1892 गोशालाओं को 555.86 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। मंत्री ने बताया कि 3477 गोशालाओं में से 3418 की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की जा चुकी है, जबकि 3207 गोशालाओं की वित्तीय स्वीकृति भी जारी कर दी गई है। आईएफएमएस पर 3165 गोशालाओं के 938.62 करोड़ रुपए के बिल भुगतान के लिए अग्रेषित किए गए थे। इनमें से 1892 गोशालाओं को राशि का भुगतान हो चुका है और शेष के बिलों का भुगतान प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि हाल ही में बारां जिले में आयोजित कार्यक्रम में दूसरे चरण के तहत 751 गोशालाओं को 250 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। शेष पात्र गोशालाओं के भुगतान की प्रक्रिया जारी है और शीघ्र भुगतान किया जाएगा। कुमावत ने कहा कि विभाग का उद्देश्य पात्र गोशालाओं को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने के साथ अनुदान व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

सोनी समाज के राष्ट्रीय सम्मान समारोह में झुंझुनूं की 5 प्रतिभाएं होंगी सम्मानित

झुंझुनूं (नवयत्न)। स्वर्णकार चेतना परिवार की ओर से सोनी समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का राष्ट्रीय सम्मान समारोह 2 अक्टूबर को दिल्ली के नांगलोई स्थित कनिष्का गार्डन में होगा। समारोह में बोर्ड परीक्षा, स्नातक और स्नातकोत्तर में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा खेलकूद और अन्य प्रतियोगिताओं में जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को भी सम्मान मिलेगा। नरेश नारनोली सिंघाना और स्वर्णकार चेतना परिवार के रमेश मंडावरा ने बताया कि झुंझुनूं जिले से समारोह के लिए पांच प्रतिभाओं का चयन हुआ है। इनमें 12वीं कक्षा से उदय पुत्र अशोक कुमार, अंकित पुत्र सुनील कुमार कुलोठ और सिमरण पुत्री अरविंद सोनी झुंझुनूं शामिल हैं। वहीं 10वीं कक्षा से धीरज पुत्र सुनील कुमार सोनी कुलोठ और भव्य पुत्र मनोज कुमार सोनी नालपुर का चयन किया गया है। समारोह में इन प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

बछबारस पर सुरभि गोशाला में गोभक्तों ने दिए 1.53 लाख रुपए

बुगाला (नवयत्न)। बछबारस के अवसर पर पंडित गणेश नारायण सुरभि गोशाला में गोभक्तों ने गोसेवा के लिए 1.53 लाख रुपए का सहयोग दिया। गोशाला कोषाध्यक्ष महेंद्र सिंह बुगालिया व कप्तान महेश बुगालिया ने बताया कि रघुराज सिंह, बजरंग सिंह व सुरेंद्र सिंह पुत्र बिशन सिंह ने 51 हजार रुपए का सहयोग दिया। इसी तरह रामजीलाल, महावीर, बजरंग लाल, शुभकरण व जगमाल पुत्र तारूराम चौधरी ने 50 हजार रुपए भेंट किए। भायंदर मुंबई के बेनाम गोभक्तों ने 21 हजार रुपए, कांता शर्मा व विष्णु खंडेलवाल सीकर ने 11-11 हजार रुपए तथा अमरसिंह पुत्र भोलाराम बुगालिया ने 10 हजार रुपए गोशाला को दिए। गोशाला प्रबंधन ने बताया कि सहयोग राशि से गोसेवा और गोवंश की देखभाल के कार्यों को गति मिलेगी।

गढ़ गणेश मंदिर में 13 से 15 सितम्बर तक महा गणपति जन्मोत्सव

गणेश चतुर्थी पर बिना सूंड और बिना वस्त्र के बाल स्वरूप में होंगे दर्शन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। ब्रह्मपुरी स्थित ऐतिहासिक श्री गढ़ गणेश मंदिर में 13 से 15 सितम्बर तक तीन दिवसीय महा गणपति जन्मोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। मंदिर महंत प्रदीप औदीच्य के सान्निध्य में होने वाले आयोजन में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, विशेष श्रृंगार, आरती और दर्शन की व्यवस्थाएं की जाएंगी। महेश मेहता, गौरव मेहता और आनंद मेहता आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। जन्मोत्सव का प्रमुख आकर्षण 14 सितम्बर गणेश चतुर्थी को होने वाले बाल स्वरूप के दर्शन होंगे। मंदिर की विशेष परंपरा के अनुसार इस दिन गणपति महाराज बिना सूंड और बिना वस्त्र के बाल रूप में दर्शन देंगे। भगवान के इस दुर्लभ पुरुषाकृति बाल स्वरूप के दर्शन वर्ष में केवल एक बार जन्मोत्सव के अवसर पर होते हैं। इसी कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

13 को सिंजारा महोत्सव

गौरव मेहता ने बताया कि 13 सितम्बर को सिंजारा महोत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान गणपति को मेहंदी अर्पित की जाएगी। भगवान को नवीन वस्त्र धारण कराने के साथ गुड़धानी और डंके अर्पित किए जाएंगे। शाम 4 से रात 8 बजे तक श्रद्धालुओं को सिद्ध मेहंदी वितरित की जाएगी।

14 को होंगे विशेष धार्मिक अनुष्ठान

गणेश चतुर्थी के दिन सुबह 4 बजे पंचामृत अभिषेक होगा। इसके बाद पत्र-पुष्प माला से विशेष शृंगार किया जाएगा। मंदिर की परंपरा के अनुसार बाल स्वरूप में दर्शन होने के कारण गणपति को वस्त्र धारण नहीं कराए जाएंगे। सुबह 5 बजे मंगला आरती के साथ सहस्त्र दुर्वाचन और एक हजार मोदकों का अर्पण किया जाएगा। दोपहर 12 बजे भोग आरती के बाद सहस्त्र नामावली से हवन होगा। शाम 7 बजे संध्या आरती और रात 12 बजे शयन आरती होगी। जन्मोत्सव के दौरान विशेष झांकी भी सजाई जाएगी।

15 को मेला और शोभायात्रा

15 सितम्बर को पारंपरिक मेला आयोजित होगा। सुबह अभिषेक और नवीन वस्त्र धारण कराने के बाद सुबह 5 बजे मंगला आरती तथा दोपहर 12 बजे भोग आरती होगी। इसके बाद भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा के मंदिर पहुंचने के बाद शयन आरती की जाएगी।

फूलों से सजेगा मंदिर, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर और गर्भगृह को रंग-बिरंगे फूलों, आकर्षक सजावट, मुकुट और आभूषणों से सजाया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग दर्शन लाइन, प्रवेश और निकास की व्यवस्था रहेगी। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग सहित विशेष आवश्यकता वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग व्यवस्था की जाएगी। सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन के सहयोग से बैरिकेडिंग, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती और 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था रहेगी। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्ग का पालन करने और व्यवस्थाएं बनाए रखने में सहयोग की अपील की है।

वाल्मीकि रामायण के अनुसार पुरुषों का बायां और महिलाओं का दायां अंग फड़कना अपशकुन : दंडी स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती

निसं

नोखा (नवयत्न)। लाहोटी चौक स्थित वीर हनुमान मंदिर के समीप अयोध्या धाम में चातुर्मास सत्संग समिति नोखा के तत्वावधान में 29 जुलाई से चल रही वाल्मीकि रामायण कथा के 43वें दिन बुधवार को कथा व्यास परम पूज्य दंडी स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज ने श्रद्धालुओं को रामायण के युद्धकांड के प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया। महाराजश्री ने कहा कि व्यक्ति जब भी घर से बाहर निकले तो भगवान का नाम लेकर निकले, चाहे वह पैदल जा रहा हो अथवा किसी वाहन से। इसी प्रकार घर वापस लौटने पर भी भगवान का स्मरण कर उनका धन्यवाद करना चाहिए। शगुन और अपशगुन के प्रसंग पर उन्होंने कहा कि वाल्मीकि रामायण के अनुसार पुरुष का बायां अंग फड़कना तथा महिला का दायां अंग फड़कना अपशकुन माना गया है। उन्होंने बताया कि युद्ध के लिए जाते समय होने वाले विभिन्न प्रकार के अपशकुनों का उल्लेख रामायण के प्रसंगों में मिलता है और ऐसे संकेतों को अनिष्ट की आशंका से जोड़ा गया है। महाराजश्री ने रावण और उसकी सेना से जुड़े युद्ध प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि रावण को उसके भाई, नाना और अनेक योद्धाओं ने समझाया कि वह माता सीता को श्रीराम को वापस कर दे, लेकिन रावण अपने अहंकार के कारण किसी की बात मानने को तैयार नहीं हुआ। इसके परिणामस्वरूप युद्ध में उसके पुत्रों, भाइयों और अनेक योद्धाओं तथा राक्षसों का वध होने लगा। कथा प्रसंग में उन्होंने बताया कि रावण के सेनापति प्रहस्त ने भी उसे समझाया था कि सीता को वापस कर देना ही उचित होगा, लेकिन रावण ने कहा कि वह अपनी जान दे सकता है, लेकिन जानकी को वापस नहीं करेगा। प्रहस्त ने युद्ध से पहले दिखाई दे रहे अपशकुनों का उल्लेख करते हुए कहा कि झंडे लड़खड़ाकर जमीन पर गिर रहे हैं और अनेक अशुभ संकेत दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद वानर और राक्षस सेना के बीच भीषण युद्ध हुआ। कभी वानर राक्षसों का संहार करते तो कभी राक्षस वानर सेना पर भारी पड़ते।

नील और प्रहस्त के बीच हुए युद्ध में नील ने पत्थरों से प्रहार कर प्रहस्त का वध कर दिया। सेनापति की मृत्यु के बाद रावण स्वयं युद्धभूमि में जाने के लिए तैयार हुआ। कथा में आगे बताया गया कि जब रावण रथ पर सवार होकर युद्धभूमि में पहुंचा तो श्रीराम ने सुग्रीव और हनुमानजी से उसके बारे में पूछा। उन्होंने बताया कि यह रावण है। रावण की नजर हनुमानजी पर पड़ी तो उसने उन्हें लंका जलाने की सजा देने की बात कही। इस पर हनुमानजी ने रावण को थप्पड़ मारकर घायल कर दिया। इसके बाद श्रीराम और रावण का आमना-सामना हुआ। श्रीराम ने रावण पर बाण चलाया और उसे परास्त कर कहा कि अभी उसका वध नहीं करेंगे। रावण लज्जित होकर युद्धभूमि से लौट गया। इसके बाद रावण के भाई कुंभकर्ण को नींद से जगाने का प्रसंग कथा में आया। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और श्रद्धालुओं ने रामायण के प्रसंगों का श्रवण कर धर्म एवं मर्यादा के संदेश को आत्मसात किया।

बैंक ऑफ राजस्थान के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने पेंशन-चिकित्सा सुविधा की मांग उठाई

कासं

झुंझुनूं (नवयत्न)। बैंक ऑफ राजस्थान रिटायर्ड स्टाफ सोसायटी के जोधपुर चैप्टर की बैठक बुधवार को शांतिप्रिय नगर पार्क स्थित सभागार में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण मैढ़ की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पारिवारिक पेंशन, आजीवन चिकित्सा सुविधा और अन्य लंबित अधिकारों को लेकर चर्चा की गई। मैढ़ ने कहा कि बैंक ऑफ राजस्थान का करीब 16 वर्ष पहले आईसीआईसीआई बैंक में विलय हुआ था। विलय के समय कर्मचारियों के सेवा लाभों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं करने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अभी तक इन सुविधाओं का संतोषजनक लाभ नहीं मिल पाया है। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार तथा आरबीआई से हस्तक्षेप कर लंबित मांगों का स्थायी समाधान कराने की मांग की। बैठक में पूर्व अध्यक्ष शशि जैन का त्यागपत्र स्वीकार किया गया। इसके बाद वरिष्ठ साथी रमाकांत शर्मा को सर्वसम्मति से कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। शर्मा ने कर्मचारियों के हितों के लिए एकजुट होकर कार्य करने का भरोसा दिलाया। बैठक में निर्मल व्यास, सत्यनारायण विजयवर्गीय, नरेंद्र सिंघवी, लखपत टाटिया, सुरेंद्र सिंह सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

आम सूचना

हर आम व खास (सर्वसाधारण) को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य सोमवीर पुत्र देवकरण जाति जाट निवासी काजी का बास तहसील व थाना पिलानी जिला झुंझुनू का पुत्र हितेश उसके कहे सुने में नहीं है, मनमानी करता है। जिसके सम्बन्ध आवारा प्रवृति के लोगों से हो गए है इस कारण मेरे अभिभाष्य ने अपने पुत्र हितेश को अपनी सम्पूर्ण चल व अचल सम्पति व घर सामाजिक गतिविधि से बेदखल कर दिया है। मेरे अभिभाष्य का अपने पुत्र हितेश से कोई लेना देना सम्बन्ध सरोकार नहीं रह गया है। उक्त हितेश से कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार का व्यवहार, सम्बन्ध, सरोकार रखेगा या करेगा तो उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

हवासिंह चौहान, एडवोकेट, मो. 9829240149

कार्यालय ग्राम पंचायत आसोटा
पं.स. लाडनूँ (डीडवाना-कुचामन)

क्रमांक: 135 दिनांक:- 09-09-26

ई-निविदा सूचना संख्या 103/2026-27

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत आसोटा के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तीय वर्ष 2026-2027 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गांवों की सड़क एवं नालियों की सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई सहित सफाई संबंधित कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मों से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेब पोर्टल http:/www.sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकता है। निविदाये निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेगी।

NIB-ZNR2627A0992
UBN-ZNR2627SSOB01233

प्रशासक — ग्राम पंचायत आसोटा, पं.स. लाडनूँ (डीडवाना-कुचामन)
ग्राम विकास अधिकारी — ग्राम पंचायत आसोटा, पं.स. लाडनूँ (डीडवाना-कुचामन)

कार्यालय ग्राम पंचायत उदरासर
पं.स. लाडनूँ (डीडवाना-कुचामन)

क्रमांक: 77 दिनांक:- 09-09-26

ई-निविदा सूचना संख्या 104/2026-27

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत उदरासर के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तीय वर्ष 2026-2027 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गांवों की सड़क एवं नालियों की सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई सहित सफाई संबंधित कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मों से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेब पोर्टल http:/www.sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकता है। निविदाये निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेगी।

NIB-ZNR2627A0993
UBN-ZNR2627SSOB01234

प्रशासक — ग्राम पंचायत आसोटा, पं.स. लाडनूँ (डीडवाना-कुचामन)
ग्राम विकास अधिकारी — ग्राम पंचायत आसोटा, पं.स. लाडनूँ (डीडवाना-कुचामन)

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस विशेष

आत्महत्या नहीं, आत्मविश्वास चुनें... हर जीवन अनमोल है

श्रीराम तिवाड़ी

नोखा (नवयत्न)। जीवन में सुख और दुःख, सफलता और असफलता तथा धूप और छांव का आना-जाना लगा रहता है। कई बार परिस्थितियां इंसान को इतना कमजोर कर देती हैं कि उसे समस्याओं से बाहर निकलने का कोई रास्ता दिखाई नहीं देता। निराशा और मानसिक तनाव के ऐसे क्षणों में कुछ लोग आत्महत्या को अंतिम रास्ता समझ लेते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि आत्महत्या किसी समस्या का समाधान नहीं है। प्रत्येक समस्या के पीछे कोई न कोई समाधान जरूर छिपा होता है। जरूरत है उस समाधान को खोजने के लिए थोड़ा ठहरने, किसी से बात करने और अपने जीवन पर विश्वास बनाए रखने की। हर वर्ष 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल जागरूकता का अवसर नहीं, बल्कि समाज को यह याद दिलाने का दिन है कि किसी व्यक्ति की जिंदगी बचाने में परिवार, मित्र, पड़ोसी, सामाजिक संगठन और समाज का प्रत्येक संवेदनशील व्यक्ति महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

2022 में बीकानेर से उठी एक प्रेरक आवाज

अखिल भारतीय शांत क्रांति जैन श्रावक संघ के आचार्यश्री विजय राज महाराज ने बीकानेर चतुर्मास काल 2022 के दौरान आत्महत्या निषेध दिवस पर समाज के लोगों से आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए आगे आने का आह्वान किया था। आचार्यश्री का संदेश स्पष्ट था कि आत्महत्या जैसी घटनाओं को रोकने के लिए केवल उपदेश पर्याप्त नहीं हैं। समाज के जागरूक लोगों को योजनाबद्ध तरीके से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच बनानी होगी और उन्हें जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करना होगा। उनके संदेश ने एक विचार को अभियान का रूप दिया-लोगों को संकल्पित किया जाए कि जीवन में कैसी भी परिस्थिति आए, वे अपने आत्मविश्वास पर भरोसा रखेंगे और आत्महत्या जैसा कदम नहीं उठाएंगे।

एक व्यक्ति की जिंदगी, कई लोगों की खुशियां

आत्महत्या करने वाला व्यक्ति भले ही अपनी पीड़ा से मुक्ति का रास्ता समझता हो, लेकिन उसके जाने के बाद पीछे रह जाने वाला परिवार वर्षों तक उस पीड़ा को झेलता है। माता-पिता, पति-पत्नी, बच्चे, भाई-बहन, मित्र और अन्य करीबी लोग मानसिक आघात से गुजरते हैं। इसलिए आत्महत्या केवल एक व्यक्ति को प्रभावित करने वाली घटना नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरे परिवार और सामाजिक परिवेश पर पड़ता है। इसी सोच को समाज तक पहुंचाने की जरूरत है कि कठिन परिस्थिति स्थायी नहीं होती, लेकिन जीवन अनमोल है।

एसएफयू का गठन, जाति-धर्म से ऊपर मानवता का संदेश

आचार्यश्री विजय राज महाराज के आह्वान पर शांत क्रांति जैन श्रावक संघ द्वारा एसएफयू सुसाइड फ्री यूनिवर्स का गठन किया गया। संगठन के राष्ट्रीय संयोजक बच्छराज लूनावत ने बताया की इसकी विशेषता यह रही कि अभियान को किसी एक जाति, वर्ग या धर्म तक सीमित नहीं रखा गया। इसमें सभी वर्गों और धर्मों के लोगों को जोड़ने का प्रयास किया गया। चार वर्ष पहले शुरू हुए एसएफयू संकल्प समिति के अभियान ने धीरे-धीरे व्यापक रूप लेना शुरू किया और चार सालो में संगठन में हजारों की संख्या में संकल्प पत्र भरवाये गए है। संगठन द्वारा टोल फ्री नंबर भी जारी किये गए ताकि कोई भी व्यक्ति टोल फ्री नंबर पर कॉल करके अपनी समस्या और दिमाग में आत्महत्या को लेकर उत्पन्न हो रहे भावो पर बात कर सके और विशेषज्ञ उस व्यक्ति की मानसिक स्थिति की सुधार करके उसे आत्महत्या जैसे विचारों से बाहर लाने में मदद करते है। इस तरह की सभी कॉल की जानकारी गुप्त रखी जाती है। संगठन में सैकड़ों लोगों को आत्महत्या के विचारों से मुक्त करवाया है।

विजय गुरु का है संदेश- आत्महत्या मुक्त हो देश-विदेश

यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि जीवन के प्रति विश्वास जगाने का संकल्प बन गया है। अभियान के माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों के साथ विदेशों में भी लोगों तक पहुंच बनाने और उन्हें आत्महत्या के विरुद्ध संकल्पित करने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान से जुड़े लोगों को प्रेरक सेवक और प्रेरक सेविका के रूप में पहचान मिली है। ये सेवक-सेविकाएं अपने-अपने स्तर पर लोगों से संपर्क कर जीवन के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने और निराशा के समय व्यक्ति का साथ देने का संदेश पहुंचा रहे हैं।

अभियान की खासियत-धन नहीं, समय का दान

एसएफयू संकल्प समिति के अभियान की एक अनूठी विशेषता यह है कि इसमें आर्थिक सहयोग के बजाय समय दान को महत्व दिया जाता है। अर्थात कोई व्यक्ति अपने समय का कुछ हिस्सा समाज के ऐसे लोगों तक सकारात्मक संदेश पहुंचाने में लगाए, जिन्हें उस समय किसी के साथ, किसी की बातचीत या किसी के प्रोत्साहन की जरूरत हो सकती है। आज सैकड़ों लोग इस अभियान से जुड़ चुके हैं। अभियान से प्रेरित होकर कुछ लोगों के अवसाद से बाहर आने और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होने के अनुभव भी सामने आए हैं। यह इस बात का उदाहरण है कि समय पर दिया गया साथ और संवेदनशील संवाद कितना महत्वपूर्ण हो सकता है।

एक बातचीत बचा सकती है जिंदगी

मानसिक परेशानी से जूझ रहे व्यक्ति को हमेशा समाधान देने की जरूरत नहीं होती। कई बार उसे केवल किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है जो उसकी बात बिना जज किए सुने। यदि कोई व्यक्ति लगातार निराश दिखाई दे, खुद को अलग-थलग करने लगे या जीवन को लेकर बेहद नकारात्मक बातें करे तो उसके साथ बातचीत करना, उसे अकेला न छोड़ना और जरूरत पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ तक पहुंचाना महत्वपूर्ण हो सकता है। किसी की जिंदगी बचाने के लिए हमेशा बड़े संसाधनों की जरूरत नहीं होती। कई बार केवल संवेदनशील होकर किसी की बात सुन लेना ही पहला कदम बन सकता है।

संकल्प समिति का संदेश- हर व्यक्ति बने सहयोगी

संकल्प समिति का मानना है कि दुनिया बहुत बड़ी है और किसी एक संगठन के संसाधन सीमित हो सकते हैं। इसलिए आत्महत्या रोकथाम का संदेश हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए समाज के प्रत्येक संवेदनशील व्यक्ति को आगे आना होगा। इसके लिए किसी विशेष पद, आर्थिक सामर्थ्य या बड़े संगठन की आवश्यकता नहीं है। संवेदनशील होना ही इस अभियान से जुड़ने की पहली योग्यता है। जो व्यक्ति अपना समय दे सकता है, वह समय दे। जो किसी परेशान व्यक्ति की बात सुन सकता है, वह सुने। जो सकारात्मक संदेश आगे पहुंचा सकता है, वह पहुंचाए। यही छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े सामाजिक परिवर्तन का आधार बन सकते हैं।

चार साल की यात्रा, निरंतर जारी अभियान

एसएफयू संकल्प समिति के अभियान को चार वर्ष पूरे हो रहे हैं। इन चार वर्षों में अभियान से जुड़े प्रेरक सेवकों और सेविकाओं ने अपनी क्षमता के अनुसार लोगों तक पहुंच बनाने का प्रयास किया है। अभियान के विस्तार के लिए समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उद्देश्य यही है कि आत्महत्या की रोकथाम का संदेश समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई व्यक्ति निराशा के क्षण में खुद को अकेला महसूस न करे। इस अभियान की निरंतरता और विस्तार का श्रेय उन सभी लोगों को जाता है जिन्होंने बिना किसी आर्थिक अपेक्षा के अपना समय और ऊर्जा मानव सेवा के लिए समर्पित की।

धूप-छांव आती-जाती रहती है, जीवन चलता रहना चाहिए

जीवन में कोई भी परिस्थिति हमेशा नहीं रहती। जिस तरह रात के बाद सुबह आती है, उसी तरह कठिन समय के बाद बेहतर समय भी आ सकता है। इसलिए जब जिंदगी कठिन लगे तो फैसला लेने से पहले रुकना चाहिए, किसी अपने से बात करनी चाहिए, मदद मांगनी चाहिए और यह विश्वास रखना चाहिए कि परिस्थिति बदल सकती है। आत्महत्या किसी समस्या का अंत नहीं, बल्कि कई नई पीड़ाओं की शुरुआत बन जाती है। इसके विपरीत जीवन को चुनना, मदद मांगना और संघर्ष करते हुए आगे बढ़ना ही वास्तविक साहस है।

विशेष अपील

यदि कोई व्यक्ति आत्महत्या के विचारों से जूझ रहा है, तो उसे अकेला न छोड़ें। उसकी बात शांतिपूर्वक सुनें और तत्काल परिवार, भरोसेमंद व्यक्ति या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ की मदद लें। एसएफयु के टोल फ्री नम्बर 011-41187654, 011-41187655 है इसके अलावा भी भारत में टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 पर भी सहायता उपलब्ध है। याद रखें-मदद मांगना कमजोरी नहीं, जिंदगी को चुनने का साहस है।

बंगाली बाबा गणेश मंदिर में 13 व 14 सितम्बर को गणेश चतुर्थी महोत्सव

निसं

जयपुर (नवयत्न)। दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी महोत्सव 13 व 14 सितम्बर को धूमधाम से मनाया जाएगा। दो दिवसीय आयोजन को लेकर मंदिर में तैयारियां जोरों पर हैं। मंदिर प्रबंध समिति के मुख्य संरक्षक रघुवीर शरण अग्रवाल, अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल और उपाध्यक्ष संजय पतंग वाला ने बताया कि महोत्सव की शुरुआत 13 सितम्बर सुबह 9 बजे प्रथम पूज्य गणेशजी के पंचामृत अभिषेक से होगी। सुबह 10 बजे सिंदूर अर्पण के बाद 11 बजे सौभाग्य देवी पूजन, चन्द्रार्चन, मेहंदी व सौभाग्य अर्चन किया जाएगा। इस दौरान श्रद्धालुओं को मेहंदी वितरित करने के साथ महिलाओं के हाथों पर मेहंदी भी लगाई जाएगी। महामंत्री गणेश लूनीवाल और कोषाध्यक्ष विष्णु अग्रवाल ने बताया कि 14 सितम्बर को गणेश चतुर्थी मनाई जाएगी। सुबह 5 बजे गणेशजी को मोदक अर्पित किए जाएंगे। दोपहर 1 बजे महाआरती और बैंड वादन होगा। इस अवसर पर गणेशजी का विशेष आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा। शाम 6 बजे भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें स्थानीय कलाकार भजनों की प्रस्तुतियां देकर प्रथम पूज्य गणेशजी को रिझाएंगे। मंदिर समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए दो दिवसीय महोत्सव के दौरान विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

बुधवार शाम थम जाएगा चुनावी प्रचार, निष्पक्ष मतदान को लेकर प्रशासन अलर्ट

निसं

नोखा (नवयत्न)। नगर निकाय चुनाव को लेकर अब चुनावी प्रचार का शोर बुधवार शाम थम गया। इसके साथ ही 11 सितंबर को होने वाले मतदान को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त माहौल में संपन्न करवाने के लिए प्रशासन पूरी तरह एक्टिव मोड में आ गया है। रिटर्निंग अधिकारी प्रिया बजाज के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम लगातार शहर के मतदान केंद्रों का जायजा ले रही है। नोखा नगरपालिका क्षेत्र के 45 वार्डों में बनाए गए 80 मतदान केंद्रों पर व्यवस्थाओं को परखा जा रहा है। अधिकारियों द्वारा मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था सहित सभी प्रकार की जरूरी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि मतदान के दिन मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। प्रशासन का पूरा फोकस निष्पक्ष एवं भयमुक्त मतदान करवाने पर है। मतदान केंद्रों पर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के साथ ही अधिकारियों द्वारा मौके पर मौजूद आवश्यक संसाधनों और व्यवस्थाओं की जांच की जा रही है। वहीं सहायक रिटर्निंग अधिकारी संगीता चारण एवं रमेश व्यास भी अपनी टीम के साथ विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। अधिकारियों द्वारा मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं।

50 हजार से अधिक मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

नोखा में 11 सितंबर को होने वाले नगर निकाय चुनाव में 50 हजार से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान को लेकर प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। अधिकारियों का प्रयास है, कि प्रत्येक मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके और मतदान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो।

प्रत्याशियों व पोलिंग बूथ एजेंटों को दिए दस्तावेज

चुनाव प्रक्रिया के तहत प्रशासन की ओर से प्रत्याशियों एवं उनके पोलिंग बूथ एजेंटों को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करवाए गए हैं। मतदान प्रक्रिया को लेकर संबंधित कार्मिकों एवं एजेंटों को आवश्यक जानकारी भी दी जा रही है। चुनावी प्रचार समाप्त होने के बाद प्रशासन की निगरानी और अधिक बढ़ जाएगी। मतदान दिवस पर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। अब 11 सितंबर को होने वाले मतदान पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

जयपुर की बदहाली पर रोड शो खाचरियावास ने सरकार को घेरा

निसं

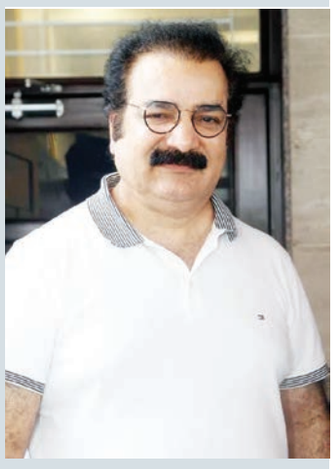

जयपुर (नवयत्न)। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जयपुर में हुए रोड शो पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि बिना अनुमति रोड शो के कारण शहर में करीब पांच घंटे तक जाम की स्थिति रही। इससे आमजन, व्यापारी, कर्मचारी और जरूरी काम से निकले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। खाचरियावास ने कहा कि जो मुख्यमंत्री चुनाव के दौरान प्रतिबंधित वॉल सिटी में बिना अनुमति रोड शो कर जनता को घंटों जाम में फंसा सकते हैं, वे जयपुर और राजस्थान का भला कैसे करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई साल से जयपुर और प्रदेश की जनता समस्याओं से परेशान है। मुख्यमंत्री खुद जयपुर से विधायक हैं और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी भी जयपुर से विधायक हैं, इसके बावजूद शहर की सड़कों के गड्ढे तक नहीं भरे जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के समय बनी सड़कों के गड्ढे भरने में भी भाजपा सरकार विफल रही है। केवल रोड शो के जरिए जनता को भ्रमित नहीं किया जा सकता। जनता सब देख रही है और समय आने पर वोट के जरिए जवाब देगी। खाचरियावास ने दावा किया कि भाजपा सरकार के खिलाफ जनता में आक्रोश है और ढाई साल के कथित अधूरे वादों तथा समस्याओं की अनदेखी को लेकर लोग नाराज हैं। उन्होंने आगामी निकाय चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में मतदान की अपील करते हुए कहा कि जयपुर में कांग्रेस का बोर्ड बनना जनता की जीत होगी। उन्होंने कहा कि रोड शो से शहर की समस्याएं नहीं छिपेंगी। जयपुर की जनता अब दिखावे के बजाय विकास और जवाबदेही चाहती है।

श्रीमाधोपुर में 82.31 प्रतिशत मतदान

130 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत बुधवार को श्रीमाधोपुर नगरपालिका के 35 वार्डों में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला। युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक ने लोकतंत्र के पर्व में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। शाम 6 बजे मतदान समाप्त होने तक नगरपालिका क्षेत्र में 82.31 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान के साथ ही 35 वार्डों में चुनाव मैदान में उतरे 130 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया। मतदान के दौरान कई बूथों पर लंबी कतारें नजर आई। वार्ड 16 के बूथ संख्या 16 पर लोकतंत्र के प्रति उत्साह की अनूठी तस्वीर देखने को मिली, जहां 102 वर्षीय पतासी देवी अपने बेटों, पोतों और पड़पोतों के साथ चतुर्थ पीढ़ी के सदस्यों के साथ मतदान करने पहुंचीं। परिवार के कुल 23 सदस्यों ने एक साथ मतदान किया। वहीं वार्ड 11 में फर्जी मतदान के आरोप को लेकर निर्दलीय प्रत्याशी और भाजपा समर्थक आमने-सामने आ गए। करीब 15 मिनट तक चले विवाद से मतदान केंद्र के बाहर तनाव की स्थिति बनी। सूचना पर रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम सौरव भाम्बू, तहसीलदार राकेश पूनियां सहित आरएसी का जाब्ता मौके पर पहुंचा और दोनों पक्षों से समझाइश कर मामला शांत करवाया। मतदान समाप्त होने के बाद पोलिंग पार्टियों ने ईवीएम मशीनों और चुनाव सामग्री को निर्धारित स्थान पर जमा करवाया। चुनाव परिणाम के लिए अब प्रत्याशियों और समर्थकों की धड़कनें तेज हो गई हैं। 14 सितंबर को राजकीय कन्या महाविद्यालय में मतगणना होगी, जिसके बाद शहर की नई नगरपालिका बोर्ड की तस्वीर साफ होगी।

छह दिवसीय गणेश महोत्सव का आगाज

जयपुर (नवयत्न)। सूरजपोल बाजार स्थित श्री श्वेत सिद्धिविनायक गणेश मंदिर में छह दिवसीय गणेश महोत्सव का आगाज महिलाओं की कलश यात्रा के साथ हुआ। महोत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, झांकियां और भक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंदिर में 10 सितम्बर को महायज्ञ के साथ गणपति महाराज का गन्ने के रस से अभिषेक किया जाएगा। 11 सितंबर को हवन-यज्ञ और नववस्त्र श्रृंगार के साथ छप्पन भोग की झांकी सजाई जाएगी। वहीं 12 सितम्बर को लड्डुओं की भव्य झांकी के दर्शन श्रद्धालुओं को होंगे। 13 सितम्बर को महिलाओं की ओर से सिंजारा महोत्सव मनाया जाएगा। इसके बाद 14 सितम्बर को गणेश चतुर्थी के अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। सुबह सवा 5 बजे से दोपहर सवा 1 बजे तक पूजा और दुग्धाभिषेक किया जाएगा। इसके बाद गणपति महाराज का पंचामृत से अभिषेक होगा तथा गणपति महायज्ञ आयोजित किया जाएगा। महायज्ञ की पूर्णाहुति के बाद शाम को विशेष श्रृंगार झांकी और भक्ति संध्या का आयोजन होगा। मंदिर में गणेश महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है और आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं।

नोखा नगरपालिका चुनाव : प्रत्याशियों की संपत्ति से लेकर उम्र तक में बड़ा अंतर

45 वार्डों में चुनावी मैदान में उतरे उम्मीदवारों की आर्थिक, शैक्षणिक और आयु संबंधी तस्वीर आई सामने

निसं

नोखा (नवयत्न)। नगर पालिका चुनाव को लेकर 45 वार्डों में प्रत्याशियों के बीच मुकाबला दिलचस्प होता जा रहा है। नामांकन के दौरान प्रत्याशियों की ओर से प्रस्तुत किए गए शपथ पत्रों में उनकी संपत्ति, आयु, शैक्षणिक योग्यता और आर्थिक स्थिति से जुड़ी अलग-अलग तस्वीर सामने आई है। आंकड़ों पर नजर डालें तो चुनाव मैदान में सबसे उम्रदराज प्रत्याशी की उम्र 77 वर्ष है, जबकि सबसे युवा प्रत्याशी 23 वर्ष के हैं। आर्थिक स्थिति की बात करें तो भाजपा प्रत्याशी दामोदर सुथार सबसे अधिक संपत्ति वाले प्रत्याशियों में शामिल हैं। उनके पास करीब 16 करोड़ 83 लाख रुपए की संपत्ति बताई गई है। वहीं भाजपा के रवंत सबसे कम संपत्ति वाले प्रत्याशियों में हैं, जिनकी घोषित संपत्ति करीब 14 हजार 827 रुपए बताई गई है। चुनावी मैदान में निवर्तमान पालिकाध्यक्ष नारायण झंवर भी प्रमुख प्रत्याशियों में शामिल हैं। उनके पास करीब 6 करोड़ 72 लाख रुपए की घोषित संपत्ति बताई गई है। वहीं विकास मंच से जुड़े प्रत्याशियों की संपत्ति में भी काफी अंतर देखने को मिला है। वार्ड 44 के सुनिल संपत झंवर के पास करीब 2 करोड़ 22 लाख रुपए, जबकि वार्ड 45 के महेश झंवर के पास करीब 1 करोड़ 24 लाख रुपए की संपत्ति बताई गई है। आंकड़ों के अनुसार वार्ड 37 से भाजपा समर्थित प्रत्याशी के पास करीब 33 लाख 284 रुपए की संपत्ति है। विकास मंच की ओर से वार्ड 29 से प्रत्याशी मुस्तीलाल के पास करीब 76 हजार रुपए की संपत्ति बताई गई है।

23 साल से 77 साल तक उम्र का दायरा

नोखा के चुनावी मैदान में युवा से लेकर वरिष्ठ उम्र के प्रत्याशी भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। सबसे उम्रदराज प्रत्याशी 77 वर्षीय जेठी देवी सारस्वत बताई गई हैं। वहीं सबसे युवा प्रत्याशियों में कन्हैयालाल महला और रितु सारस्वत, दोनों की उम्र 23 वर्ष बताई गई है। भाजपा के कई प्रत्याशी भी अलग-अलग आयु वर्ग से चुनाव मैदान में हैं। वार्ड 42 से भाजपा प्रत्याशी कन्हैयालाल महला 23 वर्ष के हैं, जबकि वार्ड 5 से भाजपा प्रत्याशी भागचंद की उम्र 26 वर्ष बताई गई है। दूसरी ओर 77 वर्षीय जेठी देवी सारस्वत वरिष्ठ प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में हैं।

शैक्षणिक योग्यता में भी विविधता

प्रत्याशियों की शैक्षणिक योग्यता में भी काफी विविधता दिखाई देती है। चुनाव मैदान में उच्च शिक्षित प्रत्याशियों के साथ-साथ प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्राप्त प्रत्याशी भी शामिल हैं। कई प्रत्याशी स्नातक एवं अन्य उच्च डिग्रियां हासिल कर चुके हैं, जबकि कुछ प्रत्याशियों की शैक्षणिक योग्यता प्राथमिक स्तर तक है।

चुनावी समीकरणों पर रहेगी नजर

नगरपालिका चुनाव में अलग-अलग राजनीतिक दलों और स्थानीय संगठनों के प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। कई वार्डों में पुराने राजनीतिक चेहरों के साथ नए एवं युवा चेहरे भी मैदान में हैं। प्रत्याशियों की आर्थिक स्थिति, उम्र और सामाजिक-राजनीतिक अनुभव के अलग-अलग समीकरण चुनावी मुकाबले को रोचक बना रहे हैं। अब मतदाताओं के फैसले पर सभी की निगाहें टिकी हैं। 11 सितंबर को होने वाला मतदान यह तय करेगा कि मतदाता अनुभव को तरजीह देते हैं या युवा चेहरों और नए विकल्पों को।

मतदान के लिए उमड़ा शहर बूथों पर दिखी लोकतंत्र की रंगत

निसं

चूरू (नवयत्न)। नगर निकाय चुनाव के मतदान दिवस पर बुधवार को शहर में लोकतंत्र का उत्सव नजर आया। सुबह से ही शहर के विभिन्न वार्डों में बनाए गए मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की कतारें लगी रहीं। दोपहर तीन बजे तक शहर के अधिकतर वार्डों में करीब 60 प्रतिशत मतदान होने से प्रत्याशियों के चेहरे पर भी उत्साह नजर आया। मतदान केंद्रों पर युवा, बुजुर्ग और महिलाओं के साथ पहली बार मतदान करने वाले मतदाता भी उत्साह के साथ पहुंचे।

महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर किया मतदान

मतदान केंद्रों पर महिलाओं की भागीदारी खास तौर पर देखने को मिली। कई बूथों पर महिलाएं समूह में मतदान करने पहुंची। वहीं बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं के लिए भी मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई। दोपहर बाद मतदान का प्रतिशत और बढ़ने की उम्मीद जताई गई।

60 वार्डों में जीत के दावे, बूथों पर डटे समर्थक

नगर निकाय के 60 वार्डों में भाजपा, कांग्रेस सहित विभिन्न दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों के बीच मुकाबला रहा। मतदान के दौरान प्रत्याशी और उनके समर्थक बूथों के आसपास सक्रिय नजर आए। मतदान समाप्ति से पहले ही सभी प्रत्याशियों ने अपने-अपने पक्ष में माहौल बताते हुए जीत के दावे किए। हालांकि मतदाताओं का फैसला अब परिणाम के साथ ही सामने आएगा।

पेट्रोलिंग टीमों ने संभाला मोर्चा

चुनाव के दौरान शहर में पुलिस की पेट्रोलिंग टीमें लगातार सक्रिय रही। संवेदनशील और प्रमुख मतदान केंद्रों के आसपास पुलिस जाब्ता तैनात रहा। पुलिस टीमों ने लगातार गश्त कर कानून व्यवस्था पर नजर बनाए रखी।

विधायक ने लिया बूथों का जायजा

विधायक हरलाल सहारण ने शहर के विभिन्न वार्डों का दौरा कर मतदान व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा और एसपी निश्चय प्रसाद एम ने भी मतदान प्रक्रिया पर नजर रखी और अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

फर्जी मतदान को लेकर आमने सामने हुए पार्टी के पदाधिकारी

शहर के वार्ड 35 में फर्जी मतदान की बात को लेकर दोनों पार्टी के पदाधिकारी आपस में उलझ गये। जिससे एक बार तो माहौल गर्मा गया। मगर पुलिस प्रशासन ने दोनों पक्षों से समझाइश कर मामला शांत करवाया। वहीं दोनों पार्टी के पदाधिकारियों ने पुलिस प्रशासन पर भी पक्षपात करने का आरोप लगाया। मतदान केन्द्र में बहुत ज्यादा भीड़ होने के कारण करीब 10 से 15 मिनट तक मतदान रोका गया। मगर बाद में पुलिस की समझाइश के बाद मतदान फिर से शुरू करवाया गया।

भयमुक्त मतदान का संदेश लेकर सड़कों पर उतरी पुलिस

निसं

जयपुर (नवयत्न)। आगामी 11 सितंबर को होने वाले निकाय चुनाव को लेकर जयपुर दक्षिण पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करते हुए मानसरोवर सर्किल क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला। पुलिस ने आमजन में सुरक्षा का विश्वास कायम करने और असामाजिक तत्वों में भय पैदा करने के उद्देश्य से क्षेत्र में पैदल गश्त की। इस दौरान पुलिस ने लोगों से बिना किसी डर के मतदान करने की अपील की। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने आमजन में विश्वास, अपराधियों में डर के ध्येय वाक्य के अनुरूप शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त चुनाव का संदेश दिया। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज के मार्गदर्शन में हुए मार्च में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिस जवान शामिल रहे। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित किशोर शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त चाकसू हेमेन्द्र शर्मा तथा मानसरोवर थानाधिकारी सतीश कुमार सहित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। फ्लैग मार्च के बाद जयपुर दक्षिण जिले के विभिन्न पोलिंग बूथों, संवेदनशील एवं क्रिटिकल बूथों तथा स्ट्रॉन्ग रूम का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने चुनाव ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों, मोबाइल पार्टियों और सुपरविजन अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए ब्रीफिंग की। डीसीपी जयपुर दक्षिण ने अधिकारियों और जवानों को राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या असामाजिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस ने आमजन से निर्भीक होकर मतदान करने और शांतिपूर्ण चुनाव में सहयोग करने की अपील की।

अन्नपूर्णा रसाइयों का निरीक्षण, खाद्य सामग्री के लिए सैम्पल

कमियां पाए जाने पर तीन अन्नपूर्णा रसोई व तंदूरी नाइट संचालक को दिए इम्प्रूवमेंट नोटिस

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। खाद्य वस्तुओं में मिलावट करने वालों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार कार्रवाई की जा रही है। विभाग की टीमें ने बुधवार को शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत बुधवार को खाद्य वस्तुओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य सामग्री के सैम्पल लिए गए। सभी सैम्पलों को जांच के लिए जयपुर खाद्य प्रयोगशाला में भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त अविचल चतुर्वेदी के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी फूल सिंह बाजिया, महमूद अली, नंदराम मीणा, सुरेश कुमार शर्मा ने पिपराली रोड स्थित तंदूरी नाइट के यहां से गेहूं का आटा का सैम्पल लिए। वहीं कमियां पाए जाने पर इम्प्रवमेंट नोटिस दिया गया। रेलवे स्टेशन सीकर के पास अभिनव सेवा संस्थान द्वारा संचालित अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण किया। इस दौरान चावल, नमक का सैम्पल लिया गया। कमियां पाए जाने पर रसोई संचालक को इम्प्रूवमेंट नोटिस दिया गया। टीम ने पुरानी नगर परिषद सीकर के पास खुशबू महिला विकास समिति द्वारा संचालित अन्नपूर्णा रसोई से गेहूं का आटा, दाल का सैम्पल लिया और कमियों को दूर करने के लिए इम्प्रूवमेंट नोटिस दिया गया। बस डिपो के पास संचालित अन्नपूर्णा रसोई के यहां से धनिया पाउडर व गेहूं के आटा का सैम्पल लिए। यहां भी कमियां पाए जाने पर मनोरमा संस्थान संचालित को नोटिस दिया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190